RAJHIN/2016/70516 Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्षः 11 अंकः 46 जयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ ,शुक्रवार, 14 अगस्त 2026 मूल्यः 4 रुपए पृष्ठः 08

मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

दोनों सदनों से 12 विधेयक पारित

25 दिनों में हुईं 19 बैठकें, लोकसभा की उत्पादकता 19 प्रतिशत और राज्यसभा की करीब 39 प्रतिशत रही

एजेंसी। नई दिल्ली

संसद का मानसून सत्र 2026 गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। सत्र की शुरुआत 20 जुलाई, 2026 को हुई थी। कुल 25 दिनों की अवधि में संसद के दोनों सदनों की 19 बैठकें हुईं। सत्र के दौरान लोकसभा में 11 विधेयक और राज्यसभा में दो विधेयक पुरःस्थापित किए गए। लोकसभा ने 12 और राज्यसभा ने भी 12 विधेयक पारित किए। दोनों सदनों द्वारा कुल 12 विधेयक पारित किए गए।

दो अध्यादेशों को विधेयकों में बदला गया : मानसून सत्र से पहले राष्ट्रपति द्वारा प्रख्यापित दो अध्यादेशों—सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीश संख्या) संशोधन अध्यादेश, 2026 और आय-कर (संशोधन) अध्यादेश, 2026—को प्रतिस्थापित करने तथा उनके प्रावधानों को शामिल करने वाले विधेयकों पर दोनों सदनों में विचार किया गया और उन्हें पारित किया गया। वर्ष 2022-23 के लिए अतिरिक्त अनुदान मांगों पर भी विचार किया गया। इससे संबंधित विनियोग विधेयक 4 अगस्त को लोकसभा में पुरःस्थापित, विचारित और पारित किया गया तथा 6 अगस्त को राज्यसभा ने इसे वापस कर दिया। विदेशी अभिदाय विनियमन संशोधन विधेयक संयुक्त समिति को भेजा गया। विदेशी अभिदाय (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 को जांच और रिपोर्ट के लिए संसद के दोनों सदनों की संयुक्त समिति को भेजा गया।

लोक परीक्षाओं की व्यवस्था मजबूत करने पर जोर : लोक परीक्षाओं से जुड़े विद्यार्थियों की चिंताओं को दूर करने के उद्देश्य से लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पुरःस्थापित किया गया। इसका उद्देश्य वर्ष 2024 के मूल अधिनियम में संशोधन कर लोक परीक्षा प्रणाली की ईमानदारी और विश्वसनीयता को मजबूत करना है। विधेयक में अपराधों की त्वरित जांच और समयबद्ध सुनवाई सुनिश्चित करने, राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेश प्रशासनों को विशेष त्वरित न्यायालय स्थापित करने तथा विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करने का प्रावधान किया गया है। जांच को दो महीने और सुनवाई को तीन महीने के भीतर पूरा करने का प्रावधान भी इसमें रखा गया है। इसके अलावा केंद्र सरकार को आवश्यकता पडऩे पर जांच के लिए विशेष कार्यबल गठित करने में सहायता देने, अपराधों के लिए सजा बढ़ाने और उच्च न्यायालय की खंडपीठ के समक्ष समयबद्ध अपीलीय व्यवस्था का प्रावधान किया गया है। यह विधेयक दोनों सदनों से पारित होने के बाद राष्ट्रपति की मंजूरी भी प्राप्त कर चुका है।

राज्यसभा के 271वें सत्र में केवल 39.17 प्रतिशत हुआ वास्तविक काम

नई दिल्ली। राज्यसभा के 271वें सत्र के समापन पर सदन के सभापति ने कार्यवाही में लगातार व्यवधान और हंगामे पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बार-बार हुए व्यवधानों के कारण सदन का बहुमूल्य कार्य समय नष्ट हुआ और राज्यसभा राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर सार्थक चर्चा एवं बहस से वंचित रही। सभापति ने कहा कि इन व्यवधानों के बावजूद राज्यसभा ने 12 विधेयकों पर विचार किया और उन्हें पारित अथवा वापस भेजकर अपने प्रमुख विधायी दायित्वों का निर्वहन किया। उन्होंने कहा कि यदि सभी सदस्यों ने मिलकर सहभागिता की होती, अपने बहुमूल्य सुझाव दिए होते और सार्थक विचार-विमर्श किया होता, तो सत्र की तस्वीर निश्चित रूप से अलग होती।

37 घंटे 49 मिनट ही चल सका सदन : सभापति ने बताया कि राज्यसभा इस सत्र में केवल 37 घंटे 49 मिनट तक चल सकी। इसमें महज 39.17 प्रतिशत समय ही वास्तविक कार्य में इस्तेमाल हो पाया। सदस्यों के पास 285 तारांकित प्रश्न, 380 शून्यकाल प्रस्तुतियां और 380 विशेष उल्लेख उठाने के अवसर थे। हालांकि, इनमें से केवल 16 प्रश्न, 52 शून्यकाल प्रस्तुतियां और 93 विशेष उल्लेख ही सदन में उठाए जा सके। सभापति ने कहा कि सदन का मंच सदस्यों के लिए खुला था, लेकिन प्रतिनिधित्व करने वाली जनता की आवाज उठाने के लिए उपलब्ध अवसरों का पूरा उपयोग नहीं किया जा सका।

गरिमापूर्ण असहमति और तर्कपूर्ण बहस जरूरी : उन्होंने कहा कि वरिष्ठ सदन होने के नाते राज्यसभा का विशेष दायित्व है कि वह तर्कपूर्ण बहस, गरिमापूर्ण असहमति और विचारशील कानून निर्माण को बढ़ावा दे। बार-बार होने वाले व्यवधान अंततः जनता के विश्वास और आकांक्षाओं को प्रभावित करते हैं। उन्होंने सभी सदस्यों से संसदीय आचरण के उच्चतम मानकों को बनाए रखने तथा राज्यसभा की गरिमा और पवित्रता को संरक्षित करने का आह्वान किया। सभापति ने 271वें सत्र की उल्लेखनीय उपलब्धियों में नव निर्वाचित और मनोनीत सदस्यों के लिए आयोजित दो दिवसीय अनुकूलन कार्यक्रम का भी उल्लेख किया।

राष्ट्रपति ने संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप एवं पुरस्कार प्रदान किए

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को वर्ष 2024 और 2025 के लिए 100 से अधिक प्रख्यात कलाकारों को संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप और संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कलाकार भारतीय परंपरा के वाहक होने के साथ हमारी सामूहिक स्मृति के संरक्षक और भविष्य की दृष्टि के सृजनकर्ता हैं। इस अवसर पर रामलाल बरेठ, ए.वी. आनंद, रीता गांगुली, पुरु दधीच, चित्तरंजन ज्योतिषी, पसुमार्थी रत्तैया शर्मा और सुधरानी रघुपति सहित सात कलाकारों को संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप से अलंकृत किया गया। वर्ष 2024 के लिए संगीत, नृत्य, रंगमंच, लोक एवं जनजातीय कला सहित विभिन्न क्षेत्रों के 54 कलाकारों को संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इनमें बांसुरी वादक राकेश चौरसिया, अभिनेता अरुण नालवड़े और लोक नृत्यांगना गुलाबी सपेरा सहित अन्य कलाकार शामिल हैं। वर्ष 2025 के लिए भी विभिन्न कला विधाओं से जुड़े 54 कलाकारों को अकादमी पुरस्कार प्रदान किए गए। इनमें भरतनाट्यम की कलाकार रोजा कन्नन, कथक से जुड़े कृष्ण मोहन मिश्रा महाराज, रंगमंच निर्देशक कपिलदेव चंद्रकांत शुक्ला और लोक संगीत कलाकार भेरू सिंह चौहान सहित अन्य कलाकार शामिल हैं।

अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि आज सम्मानित किए गए कलाकार सामूहिक रूप से देश का सांस्कृतिक मानचित्र प्रस्तुत करते हैं। यह मानचित्र देश की मिट्टी से जुड़ी कहानियों और गीतों, विविध नृत्य एवं त्योहारों तथा सदियों से विकसित भाषाओं और बोलियों की स्मृतियों से बुना हुआ है। उन्होंने कहा कि देश में संगीत की अनेक परंपराएं, विभिन्न नृत्य शैलियां और लोक रंगमंच की अनगिनत विधाएं मौजूद हैं। भारतीय संस्कृति की जड़ें प्रकृति से गहराई से जुड़ी हैं। देश की विविध खानपान परंपराओं, पहनावे, नृत्य और संगीत में प्रकृति की प्रेरणा दिखाई देती है। कलाकार पक्षियों के कलरव, झरनों की ध्वनि, पेड़-पौधों, बादलों और नदियों से प्रेरणा लेकर अपनी कला को अभिव्यक्ति देते हैं। विविधता और एकता का यह संबंध भारतीय कलाओं की सबसे बड़ी शक्तियों में से एक है। राष्ट्रपति ने कहा कि देश की विविध कला विधाओं के संरक्षण और विकास में गुरु-शिष्य परंपरा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि कला के क्षेत्र में गुरु सबसे महत्वपूर्ण पुस्तक के समान होते हैं।

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी का व्यवहार उद्दंड बालक जैसाः गिरिराज सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीयमंत्री गिरिराज सिंह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने राहुल गांधी के बयान और उनके अंदाज पर सवाल उठाते हुए कहा कि राहुल गांधी एक उद्दंड बालक की तरह व्यवहार कर रहे हैं। संसदीय व्यवस्था में एक निश्चित मर्यादा होती है और विपक्ष के नेता को उसी के अनुरूप अपनी बात रखनी चाहिए। गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी के 'चैलेंज करता हूं' वाले अंदाज पर निशाना साधते हुए कहा कि संसद में इस तरह की भाषा के बजाय तथ्यों और तर्कों के साथ चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संसद की एक गरिमा होती है एक मर्यादा होती है उसके अनुरूप अपना व्यवहार संसद में करना होता है। उन्होंने कहा कि अमित शाह से तुलन करना गलत है। अमित शाह ने अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाने तथा नागरिकता संशोधन कानून लागू करने जैसे मुद्दों पर काम करके परिणाम दिखाए हैं। केंद्रीयमंत्री ने राहुल गांधी पर आतंकवाद को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने राहुल गांधी को 'अर्बन नक्सल' की भूमिका निभाने वाला बताया और कहा कि अगर उनमें हिम्मत है तो संसदीय तरीके से मुद्दों पर बहस करें और दूसरों की बात भी सुनें। गिरिराज सिंह ने नीट और पैलेट गन के मुद्दे को लेकर भी राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यदि सदन में पैलेट गन का मुद्दा उठाया जाएगा तो नीट पर भी चर्चा होगी और इसके बाद पंजाब, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और झारखंड जैसे राज्यों से जुड़े मुद्दे भी बहस के दायरे में आएंगे।

लोकसभा अध्यक्ष, गृहमंत्री व अन्य ने दी अहिल्याबाई होल्कर को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और केन्द्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने गुरुवार को अहिल्याबाई होल्कर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। बिरला ने लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी को भी याद किया। उन्होंने चटर्जी को पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी।बिरला ने एक्स पर लिखा, "लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की पुण्यतिथि पर मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। अहिल्याबाई ने अपने शासनकाल में किसानों, कारीगरों, व्यापारियों और आम नागरिकों के हितों को प्राथमिकता दी और साथ ही मालवा में व्यापार, कृषि और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया। उनका शासन जन-कल्याण, सुशासन और जन-सेवा का एक प्रेरणादायक उदाहरण है। धर्म और संस्कृति के संरक्षण के साथ-साथ, उन्होंने देश के कई प्रमुख तीर्थ स्थलों पर मंदिरों, घाटों, कुओं, बावड़ियों और विश्राम-गृहों के निर्माण और जीर्णोद्धार में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके प्रयासों का व्यापक प्रभाव आज भी भारत की सांस्कृतिक विरासत में दिखाई देता है। लोकमाता के महान योगदान और विरासत के सम्मान में, संसद पुस्तकालय भवन के प्रांगण में स्थापित उनकी यह प्रतिमा केवल एक महान नायिका की स्मृति ही नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं, जन-कल्याण की भावना और जन-सेवा के आदर्शों का प्रतीक है। सोमनाथ चटर्जी का सार्वजनिक जीवन उनकी गहरी विधायी समझ, संसदीय परंपराओं के प्रति प्रतिबद्धता और लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने के निरंतर प्रयासों के लिए हमेशा याद किया जाएगा। अमित शाह ने कहा कि लोकमाता ने मंदिरों के जीर्णोद्धार और पुनर्निर्माण, तीर्थ स्थलों के विकास तथा सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण और पुनर्स्थापना में अद्वितीय योगदान दिया।

'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत गृह मंत्री ने अपने आवास पर फहराया तिरंगा

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और उनकी पत्नी ने गुरुवार को दिल्ली स्थित अपने आवास पर 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत तिरंगा फहराया। शाह ने एक्स पर लिखा, "आज अपने आवास पर मैंने हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा फहराया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू किया गया यह अभियान आज हर भारतीय के मन में देशभक्ति तथा गर्व की भावना को और मजबूत कर रहा है। आज करोड़ों देशवासी तिरंगे से जुड़ रहे हैं और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को सशक्त कर रहे हैं। वहीं, केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा कि डल झील, शिकारा, तिरंगा और आनंदित करने वाला अनुभव! कश्मीर की खूबसूरती के बीच शान से लहराता तिरंगा, यही तो नए कश्मीर की नई पहचान है! यहां हर दिल में शांति, विकास और देश के लिए गर्व की भावना है। यह सिर्फ एक नजारा नहीं है यह नए कश्मीर की नई ऊर्जा है!

लाल किला ब्लास्ट के पीछे अलकायदा का हाथ, UN की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा; 11 बेगुनाह लोगों की हुई थी मौत

एजेंसी। नई दिल्ली

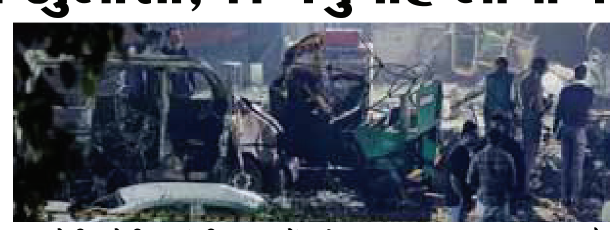

राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के पास नवंबर 2025 में हुए भीषण बम धमाके को लेकर एक बेहद सनसनीखेज खुलासा हुआ है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) की निगरानी संस्था की ताजा रिपोर्ट में इस जानलेवा आतंकी हमले के लिए खूंखार आतंकी संगठन 'अल-कायदा इन द इंडियन सबकॉन्टिनेंट' (AQIS) को जिम्मेदार ठहराया गया है। यूएन की इस रिपोर्ट से भारत में चल रही लाल किला ब्लास्ट की जांच को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी पुष्टि मिली है और यह साफ हो गया है कि इस हमले के तार सीमा पार बैठे बड़े आतंकी आकाओं से जुड़े हुए थे।

छोटी-छोटी आतंकी इकाइयों में बंटा एक्यूआईएस : संयुक्त राष्ट्र की 1267 प्रतिबंध समिति की निगरानी टीम ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट में बताया है कि आतंकी संगठन एक्यूआईएस अब अपनी रणनीति बदल रहा है। यह अब एक बिखरे हुए गुट की जगह पूरी तरह से एक विकेंद्रीकृत नेटवर्क बन चुका है, जो भारतीय उपमहाद्वीप में छोटी-छोटी आतंकी इकाइयों (स्लीपर सेल्स) के जरिए छिपकर काम कर रहा है। रिपोर्ट में यह भी गहरी चिंता जताई गई है कि इस संगठन के आतंकी अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में फर्जी अफगानी पहचान-पत्रों की आड़ में सुरक्षित पनाह लिए हुए हैं और बांग्लादेश में भी तेजी से अपने ऑपरेशन्स का विस्तार कर रहे हैं।

बायोलॉजिकल हथियार और क्रिप्टो करेंसी पर आतंकियों की नजर : यूएन ने अपनी इस हालिया रिपोर्ट में पूरी दुनिया के लिए एक खौफनाक चेतावनी भी जारी की है। रिपोर्ट के अनुसार, अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट (ISIS) जैसे वैश्विक आतंकी समूह अब केमिकल और बायोलॉजिकल हथियार हासिल करने की लगातार कोशिश कर रहे हैं, जो भविष्य में भारी तबाही का कारण बन सकता है। इसके अलावा, आतंकी संगठन हवाला से आगे बढ़कर अब अपनी फंडिंग के लिए डिजिटल करेंसी (क्रिप्टो करेंसी) का धड़ल्ले से इस्तेमाल कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की निगरानी टीम ने कड़ा सुझाव दिया है कि जिन क्रिप्टोकरेंसी एड्रेस का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों की फंडिंग के लिए हो रहा है, उन पर भी कड़े यूएन प्रतिबंध लगाए जाने चाहिए।

इराक से पूरी तरह हटेगी अमेरिकी सेनाः 30 सितंबर को उठेगा आखिरी डेरा

बगदाद। आज से 23 साल पहले सद्दाम हुसैन की सत्ता को उखाड़ फेंकने के लिए इराक में दाखिल हुई अमेरिकी सेना अब वहां से पूरी तरह वापस लौटने जा रही है। अमेरिका आगामी 30 सितंबर तक इराक से अपने सभी सैनिकों को पूरी तरह बुला लेगा। इराकी प्रधानमंत्री अली अल-जैदी के कार्यालय ने इस अंतिम तारीख के तय होने की आधिकारिक पुष्टि कर दी है। इसके साथ ही, साल 2003 से शुरू हुआ अमेरिका का एक लंबा और उथल-पुथल भरा सैन्य अध्याय हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा। इराकी प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया है कि 1 अक्टूबर से इराक में किसी भी विदेशी सैन्य मौजूदगी के बिना एक पूरी तरह से नए और स्वतंत्र दौर की शुरुआत होगी। अमेरिकी सेना की वापसी की यह अंतिम तारीख प्रधानमंत्री अली अल-जैदी और अमेरिकी सेंट्रल कमांड के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर के बीच हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद तय की गई है। इराकी प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, 30 सितंबर तक इस्लामिक स्टेट के खिलाफ चल रहे अमेरिकी नेतृत्व वाले गठबंधन का सैन्य अभियान पूरी तरह समाप्त हो जाएगा और सैनिकों की वापसी का यह चरणबद्ध अभियान भी पूरा हो जाएगा। इस ऐतिहासिक कदम को इराक की संप्रभुता से जोड़ते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि एक अक्टूबर का दिन देश के लिए एक नए सवेरे की तरह होगा।

कुछ लोग धर्म के नाम पर देश को बांटने का काम कर रहेः खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस की सोच पूरे देश को जोड़ने और एक रखने की है, जबकि कुछ लोग जनता में फूट डालना चाहते हैं। कांग्रेस पार्टी की शाखा 'रचनात्मक कांग्रेस' के राष्ट्रीय अधिवेशन में खरगे ने कहा कि पूरे देश को जोड़ना और एक रखना कांग्रेस की सोच रही है। इसके विपरीत आज कुछ लोग जनता में फूट डालना चाहते हैं। खरगे ने आरोप लगाया कि सरकार महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और डॉ. भीमराव आंबेडकर के सपनों को चूर-चूर करने के लिए काम कर रही है। इन नेताओं ने ऐसे भारत की कल्पना की थी, जिसमें समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चला जाए। खरगे ने टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले विज्ञापनों को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, "मुझे दुख होता है कि आज टीवी पर पान मसाला, तेल और बहुत से प्रोडक्ट का विज्ञापन चलाया जाता है।" उन्होंने कहा कि इसके बजाय देश के अच्छे काम, आजादी के नायकों और उनके विचारों का प्रचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आजादी के नायकों के विचारों और उनके योगदान को युवाओं तक पहुंचाने की जरूरत है, ताकि देशभक्त युवा तैयार हों। देश को बांटने के बजाय लोगों को जोड़ने और सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की जरूरत है।

दिल्ली दंगा मामले में कड़कड़डूमा कोर्ट ने सभी 13 आरोपियों को किया बरी, जांच पर उठाए सवाल

एजेंसी। नई दिल्ली

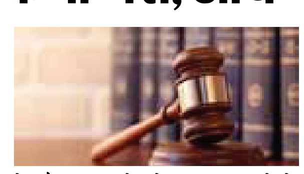

वर्ष 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए भीषण दंगों से जुड़े एक अहम मामले में कड़कड़डूमा कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया है। अदालत ने सबूतों के भारी अभाव और पुलिस की जांच प्रक्रिया में कई खामियों को आधार बनाते हुए सभी 13 आरोपियों को बरी कर दिया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह की अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ लगाए गए गंभीर आरोपों को ठोस सबूतों के साथ साबित करने में पूरी तरह विफल रहा है।

साजिश साबित करने में नाकाम रही पुलिस : इस मामले में अभियोजन पक्ष का मुख्य आरोप था कि दिल्ली दंगों के दौरान हिंदुओं को निशाना बनाने के लिए एक सोची-समझी साजिश रची गई थी। हालांकि, अदालत ने कहा कि पुलिस यह साबित ही नहीं कर पाई कि यह कथित साजिश कब, कहां और कैसे रची गई और इसमें किन-किन लोगों की भूमिका थी। अदालत ने मोहम्मद जावेद और शाहजाद खान की निशानदेही पर यमुना नदी से तलवार और भाला बरामद होने के दावे को भी नाकाफी माना। कोर्ट ने टिप्पणी की कि केवल हथियारों की बरामदगी से किसी साजिश का अस्तित्व साबित नहीं होता, खासकर तब जब पुलिस उन हथियारों का सीधा संबंध घटना में हुए इस्तेमाल से न जोड़ पाई हो।

भगोड़ा घोषित करने की प्रक्रिया में भी मिलीं खामियां : ठोस सबूतों की कमी के साथ-साथ पुलिस की कानूनी प्रक्रिया में भी भारी लापरवाही सामने आई। मामले में आठ आरोपियों को उद्घोषित अपराधी (भगोड़ा) घोषित किया गया था, लेकिन अदालत ने पाया कि पुलिस ने कानून के तहत जरूरी तीन चरणों की प्रक्रिया का सही तरीके से पालन ही नहीं किया। इसके अलावा, घटना से जुड़ी सीसीटीवी फुटेज भी इतनी धुंधली थी कि उसमें किसी भी आरोपी की स्पष्ट पहचान नहीं हो सकी और गवाहों के बयानों में भी काफी विरोधाभास देखने को मिला, जिससे अभियोजन का केस कमजोर पड़ गया।

भारत समेत कई देश रूस के आर्कटिक रूट में ले रहे दिलचस्पी : व्लादिमीर पुतिन

एजेंसी। मॉस्को

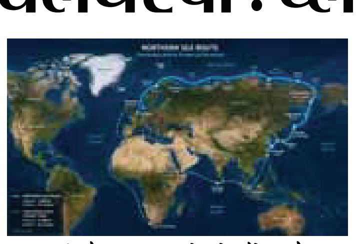

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को कहा कि भारत और चीन समेत कई देश रूस के नॉर्दर्न सी रूट (एनएसआर) के विकास और इस पर सहयोग को लेकर सक्रिय रुचि दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच एशिया की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं रूस के साथ व्यापार और परिवहन संबंध मजबूत करने के नए रास्ते तलाश रही हैं। रूस की अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रशिया टुडे (आरटी) के मुताबिक, पुतिन ने कहा कि रूस को उन देशों की बढ़ती दिलचस्पी दिखाई दे रही है जो आर्कटिक शिपिंग रूट के विकास में उसके साथ जुड़ना चाहते हैं। उन्होंने भारत और चीन को प्रमुख साझेदारों में शामिल बताते हुए कहा कि दोनों देशों के साथ इन मुद्दों पर सक्रिय बातचीत चल रही है। पुतिन इन दिनों रूस के सुदूर पूर्व और सखालिन क्षेत्र के दौरे पर हैं, जहां वह नौसैनिक अभ्यास की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने पैसिफिक फ्लीट के कर्मियों से मिसाइल क्रूजर 'वार्याग' पर बातचीत के दौरान आर्कटिक रूट पर सहयोग का उल्लेख किया। नॉर्दर्न सी रूट रूस के उत्तरी तट के साथ आर्कटिक महासागर से होकर गुजरता है और एशिया तथा यूरोप के बीच समुद्री संपर्क का एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक मार्ग बन सकता है। रूस इस मार्ग के विकास के लिए बड़े पैमाने पर निवेश कर रहा है और इसे अंतरराष्ट्रीय शिपिंग के लिए प्रमुख मार्ग के रूप में विकसित करने की कोशिश कर रहा है। भारत के लिए यह मार्ग यूरोप के उत्तरी और पूर्वी बाजारों तक पहुंच का वैकल्पिक विकल्प उपलब्ध करा सकता है। इसके अलावा, मध्य पूर्व में जारी संघर्षों के कारण पारंपरिक स्वेज नहर मार्ग पर बढ़ती असुरक्षा ने आर्कटिक रूट के रणनीतिक महत्व को और बढ़ा दिया है। भारत और रूस के बीच चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारे के संचालन के बाद आर्कटिक क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी जोर दिया जा रहा है। दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब डॉलर तक ले जाने के लक्ष्य के बीच परिवहन और लॉजिस्टिक्स के नए विकल्पों पर काम कर रहे हैं। रूसी प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्टिन ने पिछले महीने सरकारी परमाणु ऊर्जा कंपनी रोसाटॉम को आर्कटिक रूट पर समुद्री माल ढुलाई को लेकर भारत के साथ समझौता ज्ञापन करने का निर्देश दिया था।

असम-अरुणाचल सीमा विवाद के बीच राज्य के सांसदों से मिले किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। असम और अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में बढ़ते तनाव के बीच गुरुवार को दोनों राज्यों के सांसदों ने केंद्रीय संसदीय एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू से मुलाकात की। जिसका मुख्य उद्देश्य सीमा पर शांति और आपसी सद्भाव बनाए रखना था। किरेन रिजिजू ने एक्स पर लिखा, "असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच का रिश्ता बहुत गहरा है, जो कई पीढ़ियों से भाईचारे, स्नेह और आपसी सम्मान पर टिका है। बातचीत के जरिए हम अपने मतभेदों को सुलझा रहे हैं और भले ही हर मुद्दे का समाधान न निकले, हम इस रास्ते पर आगे बढ़ते रहेंगे। शायद हमारी सीमाएं अलग-अलग हों लेकिन हमारे दिल एक हैं।

देश के अधिकतर क्षेत्रों में अगले सप्ताह तक भारी बारिश होने के आसार

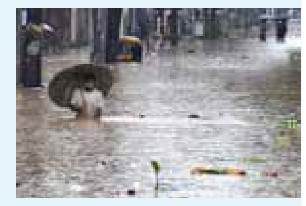

नई दिल्ली। देश के अधिकांश इलाकों में अगले सप्ताह तक हलकी से भारी वर्षा का अनुमान है। वहीं, दिल्ली -एनसीआर में भी हल्की वर्षा जारी रहने का अनुमान है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार को दोपहर से शाम के बीच कई जगहों पर हल्की बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33-35 डिग्री सेल्सियस और 26-28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने के आसार हैं। शनिवार और रविवार को भी हल्की वर्षा होने का अनुमान हैं। शनिवार का अधिकतम 32-34 डिग्री सेल्सियस और रविवार को अधिकतम तापमान क्रमशः 33-35 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि राजधानी में आज सुबह धूप खिली थी लेकिन दोपहर के बाद हल्की बारिश हुई। लेकिन उमस भरी गर्मी से मामूली राहत मिली है। मौसम विभाग के मुताबिक, तटीय पश्चिम बंगाल के ऊपर बने दबाव के कारण 14 अगस्त को छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं बहुत अधिक बारिश होने की संभावना है।

शाहपुरा की सियासत में खुला 'सामान्य पुरुष' का दरवाजा...

अब किसके सिर सजेगा पालिका का ताज?

अध्यक्ष पद की लॉटरी ने बदले चुनावी समीकरण, दावेदारों की धड़कनें तेज

सोशल मीडिया पर चेहरों की दस्तक शुरू

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा-मूलचन्द पेसवानी शाहपुरा नगर पालिका चुनाव की सियासत ने गुरुवार को अचानक करवट ले ली। नगर पालिका अध्यक्ष पद के आरक्षण की लॉटरी में अध्यक्ष पद सामान्य पुरुष वर्ग के लिए आरक्षित होने के साथ ही शहर की राजनीति में संभावित दावेदारों की दौड़ शुरू हो गई है। पांच साल पहले जहां अध्यक्ष की कुर्सी पर पहुंचने का रास्ता अन्य पिछड़ा वर्ग पुरुष के आरक्षण से होकर निकला था, वहीं इस बार सामान्य पुरुष वर्ग के लिए मैदान खुलने से भाजपा-कांग्रेस सहित स्थानीय राजनीति में सक्रिय नेताओं ने अपने-अपने समीकरण साधने शुरू कर दिए हैं। लॉटरी का नतीजा सामने आते ही शाहपुरा में राजनीतिक चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया। चाय की थड़ियों से लेकर राजनीतिक बैठकों और सोशल मीडिया तक एक ही सवाल तैर रहा है आखिर अगली बार पालिका अध्यक्ष की कुर्सी पर कौन बैठेगा? आरक्षण ने कई संभावित दावेदारों के लिए रास्ता खोला है तो

कई नेताओं के राजनीतिक गणित को नए सिरे से लिखने की नौबत भी ला दी है। अभी चुनाव की तारीख घोषित नहीं हुई है, लेकिन अध्यक्ष पद सामान्य पुरुष के लिए तय होते ही चुनावी बिसात पर मोहरों की शुरुआती चाल चल दी गई है।

पांच साल पहले ओबीसी आरक्षण, अब बदला पूरा समीकरण-

पिछले नगर पालिका चुनाव में शाहपुरा अध्यक्ष पद ओबीसी पुरुष वर्ग के लिए आरक्षित था। उस चुनाव के बाद भाजपा का बोर्ड बना और रघुनंदन सोनी पालिका अध्यक्ष बने। पांच साल तक पालिका की कमान सोनी के हाथों में रही।

अब आरक्षण बदलने के साथ ही अगला चुनाव केवल पार्षद चुनने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अध्यक्ष पद को लेकर राजनीतिक दलों और स्थानीय गुटों के बीच जोरदार खींचतान देखने को मिल सकती है।

सामान्य पुरुष वर्ग के लिए आरक्षण होने से भाजपा और कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती अब ऐसे चेहरे को मैदान में उतारने की होगी, जो वार्डों में पकड़ के साथ-साथ अलग-अलग राजनीतिक और सामाजिक समीकरणों को भी साध सके। एसडीपीआई और कुछ निर्दलीय दावेदार भी समीकरणों को इधर उधर करेगें।

यही वजह है कि लॉटरी के बाद संभावित दावेदारों की गतिविधियां तेज होने लगी हैं। कुछ चेहरे सोशल मीडिया पर सक्रिय हो गए हैं तो कुछ पर्दे के पीछे अपने समर्थकों और राजनीतिक संपर्कों को मजबूत करने में जुट गए हैं।

35 वार्ड, 23 हजार से ज्यादा मतदाता तय करेंगे अगली तस्वीर-

शाहपुरा नगर पालिका में कुल 35 वार्ड हैं। इनमें कुल 23,152 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। मतदाता सूची में 11,414 पुरुष और 11,738 महिला मतदाता शामिल हैं। चुनाव के लिए कुल 35 मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। आंकड़े बताते हैं कि मुकाबला भले ही 35 वार्डों में होगा, लेकिन राजनीतिक नजरें अध्यक्ष पद के समीकरण पर टिकी रहेंगी। कौन सा गुट कितने पार्षद जिताकर लाता है और चुनाव बाद किसके पास बहुमत का आंकड़ा होगा, यही पालिका की सत्ता की दिशा तय करेगा। यानी इस बार चुनावी मैदान में केवल पार्षद नहीं उतरेंगे, बल्कि अध्यक्ष पद के संभावित चेहरे भी अपने-अपने वार्डों से लेकर पूरे शहर तक राजनीतिक जमीन तैयार करते नजर आएंगे।

जिला बहाली का मुद्दा बनेगा सबसे बड़ा राजनीतिक हथियार?

शाहपुरा नगर पालिका चुनाव इस बार सामान्य चुनाव से कहीं अधिक राजनीतिक महत्व रखता है। इसकी सबसे बड़ी वजह है शाहपुरा के जिला दर्जे की बहाली का मुद्दा। शाहपुरा का अपना ऐतिहासिक और राजनीतिक गौरव रहा है। आजादी से पहले यह एक रियासत थी और लंबे समय से शाहपुरा को जिला बनाने की मांग राजनीतिक विमर्श का हिस्सा रही। पिछली सरकार के कार्यकाल में शाहपुरा को जिला बनाया गया, लेकिन करीब 513 दिन जिला रहने के बाद वर्तमान सरकार ने इसे समाप्त कर दिया। इसके बाद से ही शाहपुरा जिला बचाओ आंदोलन के जरिए जिला बहाली की मांग लगातार उठती रही है। ऐसे में आगामी नगर पालिका चुनाव में यह मुद्दा राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों के लिए बड़ा चुनावी सवाल बन सकता है। कौन शाहपुरा को जिला वापस दिलाने की लड़ाई में कितना प्रभावी रहा? किसने आवाज उठाई और कौन खामोश रहा? ये सवाल मतदाताओं के बीच चुनावी चर्चा का हिस्सा बनने की पूरी संभावना है।

रियासतकाल से नगर निकाय की परंपरा, अब नई सियासी पटकथा-

शाहपुरा का नगर निकाय इतिहास भी पुराना है। रियासतकाल से ही यहां नगरीय प्रशासन की परंपरा रही है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में नगर पालिका के चुनावों ने इस परंपरा को नई राजनीतिक पहचान दी। यही कारण है कि नगर पालिका चुनाव शाहपुरा के लिए महज स्थानीय निकाय का चुनाव नहीं, बल्कि शहर की राजनीति में प्रभाव और नेतृत्व तय करने वाला महत्वपूर्ण पड़ाव माना जाता है।

इस बार सामान्य पुरुष आरक्षण ने राजनीतिक समीकरणों को और दिलचस्प बना दिया है। अब पार्षदों के चुनाव के साथ-साथ अध्यक्ष पद की कुर्सी के लिए भी अंदरखाने लॉबिंग, गुटबाजी और समर्थन जुटाने का दौर तेज होने की संभावना है।

अब लॉटरी के बाद अगली नजर चुनाव की तारीख पर-

यूडीएच मंत्री झाबर सिंह के अनुसार भीलवाड़ा में अब जिला कलेक्टर स्तर पर पार्षदों के वार्ड आरक्षण की लॉटरी की प्रक्रिया होगी। इसके बाद राज्य निर्वाचन आयोग चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करेगा। चुनाव कार्यक्रम घोषित होते ही आचार संहिता लागू होगी और सितंबर में चुनाव प्रक्रिया पूरी किए जाने की संभावना जताई गई है। फिलहाल तारीख का ऐलान बाकी है, लेकिन अध्यक्ष पद का आरक्षण सामने आते ही शाहपुरा में चुनावी मौसम समय से पहले दस्तक दे चुका है। अब असली मुकाबला टिकट की दौड़, वार्डों के समीकरण और अध्यक्ष पद के लिए बहुमत जुटाने का होगा।

शाहपुरा की सियासत में कुर्सी एक है, दावेदार कई होंगे।

देखना यही है कि सामान्य पुरुष के लिए खुले इस राजनीतिक दरवाजे से कौन अंदर दाखिल होता है और आखिरकार पालिका अध्यक्ष की कुर्सी का ताज किसके सिर सजता है।

महिला के पति ने ज़िला पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने आत्महत्या का प्रयास

1.46 करोड़ की ठगी का आरोप,महिला ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

जमीन का सौदा कर राशि लेने के बाद रजिस्ट्री नहीं कराने का आरोप, धमकाने व जातिसूचक गालियां देने की भी शिकायत

स्मार्ट हलचल

सुरज वर्मा भीलवाड़ा जिले के फुलिया कलां थाना क्षेत्र की एक महिला ने चार लोगों के खिलाफ कथित धोखाधड़ी कर 1 करोड़ 46 लाख रुपए हड़पने, जमीन की रजिस्ट्री नहीं कराने, सार्वजनिक रूप से अपमानित करने तथा धमकाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला ने 13 अगस्त 2026 को पुलिस अधीक्षक भीलवाड़ा को लिखित शिकायत देकर मामले में जांच कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई तथा राशि बरामद कराने की मांग की है। शिकायतकर्ता कन्या देवी पत्नी लक्ष्मीनारायण खटीक, निवासी कनेछनकलां,तहसील फुलिया कलां ने शिकायत में बताया कि आरोपी संख्या एक से चार उसके पति से परिचित थे। आरोप है कि आरोपियों ने विश्वास में लेकर जमीन के भूखंडों का सौदा किया और अलग-अलग समय पर बड़ी रकम प्राप्त की, लेकिन तय प्रक्रिया के अनुसार भूखंडों की रजिस्ट्री नहीं कराई। शिकायत के अनुसार वर्ष 2019 में जमीन के सौदे को लेकर 90 लाख रुपए देने की बात सामने आई। इसके बाद शिकायतकर्ता के अनुसार अलग-अलग आरोपियों द्वारा कुल मिलाकर 1.46 करोड़ रुपए प्राप्त किए गए। आरोप है कि राशि लेने के बावजूद करीब छह वर्ष बीत जाने पर भी जमीन की पट्टा एवं रजिस्ट्री संबंधी कार्रवाई पूरी नहीं की गई।महिला ने आरोप लगाया कि जब उसने और उसके पति ने अपनी रकम वापस मांगी तो कथित रूप से आरोपियों ने टालमटोल की तथा अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि महिला को सार्वजनिक रूप से अपमानित किया गया और उसके पति को आत्महत्या के लिए उकसाने जैसी बातें कही गईं।

महिला ने जातिसूचक गालियां देने का भी आरोप लगाया है। शिकायत में यह भी उल्लेख है कि आरोपियों द्वारा कथित रूप से यह कहा गया कि यदि पुलिस में शिकायत की गई तो उसके पति के खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज करवाकर जेल भिजवा दिया जाएगा। इससे परिवार भय और मानसिक दबाव में होने की बात भी शिकायतकर्ता ने कही है। महिला ने पुलिस अधीक्षक से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करवाकर आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य संबंधित धाराओं में कानूनी कार्रवाई, कथित रूप से प्राप्त 1 करोड़ 46 लाख रुपए की राशि बरामद कर उसे सुपुर्द करने तथा परिवार को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है।

राज्यभर के 1,644 चयनित वरिष्ठ अध्यापकों के पदस्थापन का रास्ता साफ-17 अगस्त को मिलेगा स्कूल

4 जुलाई से पदस्थापन का इंतजार कर रहे शिक्षकों की ऑनलाइन काउंसलिंग पूरी-संयुक्त निदेशक जारी करेंगे अंतिम पदस्थापन आदेश

स्मार्ट हलचल

टोंक। राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा आयोजित वरिष्ठ अध्यापक विभिन्न विषय (माध्यमिक शिक्षा) परीक्षा-2024 में अंतिम रूप से चयनित अभ्यर्थियों के स्कूल आवंटन का रास्ता साफ हो गया है। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने ऑनलाइन काउंसलिंग एवं पदस्थापन का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसके तहत 17 अगस्त को काउंसलिंग परिणाम जारी होने के बाद पदस्थापन आदेश जारी किए जाएंगे।

राज्यभर में अंतिम रूप से चयनित एवं पात्र 1,698 अभ्यर्थियों में से 1,644 अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया पूरी कर रिपोर्ट विभागीय वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। इन चयनित वरिष्ठ अध्यापकों को संभाग आवंटित कर संबंधित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (डाइट) में ओरिएंटेशन प्रोग्राम के लिए भेजा गया था। माध्यमिक शिक्षा निदेशक ललित कुमार के अनुसार चयनित शिक्षकों को ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों में प्राथमिकता के आधार पर नियुक्ति दी जाएगी। शाला दर्पण के स्टाफ सिलेक्शन एंड पोस्टिंग मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से ऑनलाइन काउंसलिंग करवाकर विद्यालयों का आवंटन किया जाएगा।

17 अगस्त को जारी होंगे पदस्थापन आदेश

विभाग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 13 अगस्त को विषयवार अस्थाई वरीयता सूची जारी कर आपत्तियां मांगी जाएंगी, 14 अगस्त को आपत्तियों का निस्तारण कर स्थाई वरीयता सूची जारी की जाएगी। इसी दिन दोपहर 12:30 बजे ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों, पीएमश्री विद्यालयों, विवेकानंद मॉडल स्कूलों एवं भामाशाह विद्यालयों में वरिष्ठ अध्यापकों के रिक्त पद ऑनलाइन प्रदर्शित किए जाएंगे। अभ्यर्थी 14 अगस्त दोपहर 1 बजे से 17 अगस्त दोपहर 1 बजे तक अपने पसंदीदा विद्यालयों के विकल्प ऑनलाइन लॉक कर सकेंगे। इसके बाद 17 अगस्त को काउंसलिंग का परिणाम डाउनलोड कर जांच की जाएगी और अंतिम पदस्थापन आदेश जारी किए जाएंगे।

कार्यग्रहण के लिए मिलेंगे तीन सप्ताह

नियुक्ति आदेश जारी होने के बाद अभ्यर्थियों को कार्यग्रहण के लिए तीन सप्ताह तक का समय दिया जाएगा। नियुक्ति आदेशों की प्रति विभागीय वेबसाइट पर अपलोड करने के साथ ही अभ्यर्थियों को ई-मेल के माध्यम से भी भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

निजी विश्वविद्यालयों से बीएड करने वालों के दस्तावेजों की होगी जांच

निदेशालय ने राजस्थान के निजी विश्वविद्यालयों से बीएड उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की विशेष रूप से गहन जांच के निर्देश दिए हैं। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि संबंधित अभ्यर्थी का प्रवेश राज्य स्तरीय काउंसलिंग के माध्यम से हुआ हो तथा संबंधित संस्थान को एनसीटीई से मान्यता प्राप्त हो। आवश्यक साक्ष्यों की पूर्ण जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डाइट में चल रहा ओरिएंटेशन प्रशिक्षण

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने चयनित वरिष्ठ अध्यापकों से ऑनलाइन विकल्प लेकर उन्हें संभाग आवंटित किए थे। नव चयनित वरिष्ठ अध्यापकों को 4 जुलाई को नियुक्ति पत्र जारी किए गए थे। वर्तमान में चयनित शिक्षक राज्य के विभिन्न जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों में ओरिएंटेशन प्रशिक्षण ले रहे हैं। पहले यह प्रशिक्षण 15 जुलाई तक निर्धारित था, जिसे बाद में 27 जुलाई, फिर 5 अगस्त और उसके बाद 21 अगस्त तक बढ़ाया गया। इसी के चलते चयनित शिक्षकों के विद्यालय पदस्थापन में देरी हुई।

शिक्षक संघ रेसटा ने जताया आभार

शिक्षक संघ रेसटा के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद ने कहा कि संगठन लगातार राज्यभर के चयनित वरिष्ठ अध्यापकों को जल्द विद्यालयों में पदस्थापन देने की मांग कर रहा था। पहली बार चयनित वरिष्ठ अध्यापकों के लिए डाइट में ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किए जाने के कारण पदस्थापन प्रक्रिया में देरी हुई। उन्होंने कहा कि अब माध्यमिक शिक्षा निदेशालय द्वारा ऑनलाइन काउंसलिंग कार्यक्रम जारी किए जाने से सरकारी विद्यालयों में कक्षा 8वीं एवं 10वीं बोर्ड कक्षाओं के लिए विषय अध्यापकों की कमी दूर होने की उम्मीद है। मांग पूरी होने पर शिक्षक संघ रेसटा की ओर से राज्य शिक्षा मंत्री मदन दिलावर एवं माध्यमिक शिक्षा निदेशक ललित कुमार का आभार जताया गया।

ईद मिलादुन्नबी पर भीलवाड़ा में सूखा दिवस घोषित करने की मांग, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन,कलेक्टर ने दिया आश्वासन

स्मार्ट हलचल

पुनित चपलोत पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मोत्सव ईद मिलादुन्नबी के पावन अवसर पर भीलवाड़ा शहर सहित पूरे जिले में सूखा दिवस घोषित करने की मांग को लेकर अल्पसंख्यक कांग्रेस की ओर से गुरुवार को जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय पर प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान कलेक्टर ने प्रतिनिधिमंडल को ईद मिलादुन्नबी के दिन शराब की दुकानें बंद रखने और सूखा दिवस मनाने का आश्वासन दिया। अल्पसंख्यक कांग्रेस जिलाध्यक्ष हमीद रंगरेज ने बताया कि ईद मिलादुन्नबी मुस्लिम समाज के लिए बेहद पवित्र और महत्वपूर्ण पर्व है। पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब ने पूरी मानवता को भाईचारे, शांति और सद्भाव का संदेश दिया तथा नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने की शिक्षा दी। ऐसे में इस पवित्र अवसर पर शराब की बिक्री बंद रखना सामाजिक और धार्मिक दृष्टि से उचित होगा। ज्ञापन में कहा गया कि ईद मिलादुन्नबी के दिन जिलेभर में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं और लोग एक-दूसरे को मुबारकबाद देते हुए तबर्रुक वितरित करते हैं। ऐसे शुभ अवसर पर नशे के कारण किसी तरह की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो तथा शांति एवं कानून व्यवस्था बनी रहे, इसके लिए एक दिन शराब की दुकानों को बंद रखा जाना चाहिए। हमीद रंगरेज ने कहा कि मोहम्मद साहब पूरी दुनिया के लिए रहमत और प्रेरणा का संदेश लेकर आए। इसलिए उनके जन्मोत्सव के दिन शराब की दुकानों को बंद रखने की मांग की गई है। उन्होंने बताया कि जिला कलेक्टर ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि ईद मिलादुन्नबी के दिन सूखा दिवस रहेगा और जिले में शराब की दुकानें बंद रखी जाएंगी। कलेक्टर के आश्वासन के बाद प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन का आभार जताया।

रावणा राजपूत समाज ने ओबीसी सर्वे को बताया भ्रामक, फूटा आक्रोश, सौंपा ज्ञापन

त्रुटिपूर्ण सर्वे निरस्त कर वास्तविक जनसंख्या के आधार पर पुनः सत्यापन तथा गांव-तहसीलवार डेटा सार्वजनिक कर पुनः निष्पक्ष सर्वे की उठाई मांग

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (पंकज पोरवाल)। राजस्थान सरकार द्वारा हाल ही में जारी ओबीसी सर्वे के आंकड़ों में रावणा राजपूत समाज की आबादी मात्र 6 लाख दर्शाए जाने पर समाज में गहरा आक्रोश व्याप्त है। इसे समाज की वास्तविक जनसंख्या को कम आंकने और भ्रामक तस्वीर प्रस्तुत करने का गंभीर मामला बताते हुए श्री अखिल रावणा राजपूत सेवा संस्थान, भीलवाड़ा ने प्रदेशव्यापी आह्वान के तहत जिला कलक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष पुनः सर्वे की मांग उठाई। ज्ञापन में समाज ने आरोप लगाया कि प्रदेश की बड़ी आबादी वाले रावणा राजपूत समाज को ओबीसी सर्वे में मात्र 6 लाख दिखाना घोर अन्याय एवं तथ्यात्मक त्रुटि है। समाज ने मांग की कि पिछड़ा वर्ग आयोग की संपूर्ण रिपोर्ट, मूल डेटा तथा गांव एवं तहसीलवार आंकड़े तत्काल सार्वजनिक किए जाएं। साथ ही त्रुटिपूर्ण एवं कथित षड्यंत्रकारी सर्वे का स्वतंत्र सत्यापन कराते हुए सर्वे से छूटे प्रत्येक रावणा राजपूत परिवार का निष्पक्ष पुनः सर्वे कराने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई। इस दौरान जिलाध्यक्ष नरेंद्र सिंह गुढ़ा, हिम्मत सिंह (झोपड़ियां), पीरू सिंह गौड़, बाबू सिंह राणावत, भेरू सिंह भाटी, कांता कंवर (कारोई), निशा कंवर गौड़, अलका कंवर, भगवती कंवर सांखला, सुनीता कंवर, मुकेश सिंह (आटूण), सिल्वर बन्ना (मालोला), रानू सिंह (मालोला), भेरू सिंह (गुरला), पप्पू सिंह रावणा, अमर सिंह, अनुराधा कंवर (पालड़ी), संजू कंवर, रेखा कंवर, पूनम कंवर सहित समाज के सैकड़ों गणमान्य नागरिक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विधायक गोपाल लाल खंडेलवाल के बेटे मुकेश कुमार को DMFT में ट्रस्टी बनाए जाने पर उठे सवाल

मांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र से गैर-सरकारी ट्रस्टी के रूप में मनोनयन, सरकारी दस्तावेज में दर्ज नाम को लेकर सामने आई स्थिति...

स्मार्ट हलचल

मांडलगढ़ मांडलगढ़ विधायक गोपाल लाल शर्मा (खंडेलवाल) के पुत्र मुकेश कुमार शर्मा (खंडेलवाल) को भीलवाड़ा जिला डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन ट्रस्ट (DMFT) की गवर्निंग काउंसिल में विधानसभा क्षेत्र के गैर-सरकारी ट्रस्टी के रूप में मनोनीत किए जाने के बाद इस नियुक्ति को लेकर राजनीतिक और सार्वजनिक स्तर पर चर्चा शुरू हो गई है।

उपलब्ध सरकारी दस्तावेज में मुकेश कुमार शर्मा का नाम नियम 5(1) (29) के अंतर्गत 'विधानसभा क्षेत्र के गैर सरकारी ट्रस्टी' की श्रेणी में दर्ज है। दस्तावेज में उनका नाम मुकेश कुमार शर्मा के रूप में दर्ज दिखाई देता है, जबकि सार्वजनिक एवं राजनीतिक पहचान में उन्हें मुकेश खंडेलवाल के नाम से जाना जाता है।

DMFT में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन ट्रस्ट

(DMFT) खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास और वहां रहने वाले लोगों के हितों से जुड़े कार्यों के लिए महत्वपूर्ण संस्था है। DMFT के माध्यम से खनन प्रभावित क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण सहित विभिन्न विकास एवं जनहित के कार्यों के लिए राशि का उपयोग किया जाता है।

ऐसे में गवर्निंग काउंसिल में ट्रस्टी का पद महत्वपूर्ण जिम्मेदारी वाला माना जाता है। विधानसभा क्षेत्र से गैर-सरकारी ट्रस्टी के रूप में मुकेश कुमार शर्मा के मनोनयन के बाद अब क्षेत्र में इस नियुक्ति को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

विधायक के पुत्र को जिम्मेदारी मिलने पर राजनीतिक चर्चा

सबसे ज्यादा चर्चा इस बात को लेकर है कि मांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे विधायक गोपाल लाल शर्मा (खंडेलवाल) के पुत्र को उसी विधानसभा क्षेत्र से संबंधित DMFT में गैर-सरकारी ट्रस्टी के रूप में मनोनीत किया गया है। हालांकि उपलब्ध दस्तावेज में मनोनयन नियम 5(1)(29) के तहत किया गया है और केवल किसी व्यक्ति का विधायक का पुत्र होना अपने आप में नियुक्ति को नियमविरुद्ध साबित नहीं करता। लेकिन सार्वजनिक पद पर निर्वाचित जनप्रतिनिधि के परिवार के सदस्य को महत्वपूर्ण सरकारी संस्था में जिम्मेदारी मिलने के कारण पारदर्शिता, चयन के आधार और हितों के संभावित टकराव को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है।

सवाल नियुक्ति की प्रक्रिया और आधार पर

अब क्षेत्र में यह सवाल चर्चा का विषय है कि मुकेश कुमार शर्मा का मनोनयन किस प्रक्रिया के तहत हुआ, उनकी अनुशंसा किस स्तर से की गई तथा विधानसभा क्षेत्र से गैर-सरकारी ट्रस्टी के चयन के लिए किन आधारों को प्राथमिकता दी गई। DMFT जैसी संस्था में, जहां खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाते हैं, वहां नियुक्तियों की प्रक्रिया को पारदर्शी रखना और उसके आधार को सार्वजनिक करना जनता के विश्वास की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। मांडलगढ़ क्षेत्र के लोगों की नजर अब इस बात पर भी रहेगी कि नए ट्रस्टी के रूप में मुकेश कुमार शर्मा (खंडेलवाल) की भूमिका खनन प्रभावित गांवों और आमजन के हितों में किस प्रकार सामने आती है।

आचार्य आनंद ऋषिजी की जीवनगाथा का गुणगान, जन्मजयंती पर 1008 से अधिक आयंबिल तप की भव्य भेंट अर्पित

शरीर और संयम की चादर को जीवनभर मलिन नहीं होने दिया आनंद ऋषिजी ने : युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

स्मार्ट हलचल

पुनित चपलोत भीलवाड़ा राष्ट्रसंत आचार्य सम्राट आनंद ऋषिजी महाराज की 126वीं जन्म जयंती शांतिभवन में श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी, यशोदिप्ती मधुकंवरजी, उप प्रवर्तिनी दिव्यज्योतिजी, महासती सुचेताजी, स्मितभाषी प्रियुदर्शनाजी सहित संत- साध्वी वृंद के सान्निध्य में मनाई गई। इस अवसर पर तपस्वी भाई-बहनों ने सामूहिक रूप से 1008 आयंबिल तप की आराधना कर आचार्यश्री के चरणों में तप की भेंट अर्पित की। जन्मजयंती गुणगान समारोह में युवाचार्यश्री ने आचार्य आनंद ऋषिजी के व्यक्तित्व और संयममय जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि व्यक्तित्व की वास्तविक पहचान बाहरी रूप से नहीं, बल्कि भीतर की शुचिता, शील और आचरण से होती है। बाहर दिखाई देने वाला व्यक्तित्व और भीतर का अस्तित्व अलग होता है। चेहरा कितना ही प्रभावशाली क्यों न हो, वास्तविक श्रेष्ठता अंतरंग पवित्रता से प्रकट होती है। आचार्यश्री की जीवनशैली में स्वच्छता केवल शरीर और वस्त्रों तक सीमित नहीं थी। उनके व्यवहार में सदाचार की सुगंध, विचारों में निर्मलता और प्रत्येक व्यक्ति के प्रति मंगलभाव सहज दिखाई देता था। उनका चलना, बैठना और व्यवहार भी उनके अंतरंग व्यक्तित्व की गरिमा को प्रकट करता था। उस महापुरुष के चरण जहां-जहां पड़े, वहां की रज तक लोगों ने श्रद्धा से सुरक्षित रखी। उनके प्रति यह गहरी आस्था उनके पवित्र आचरण और संयममय जीवन की ही अभिव्यक्ति थी। युवाचार्यश्री ने कहा कि आचार्यश्री के जीवन में वात्सल्य और अनुशासन का अद्भुत संतुलन था। वे अपनी असुविधा से अधिक दूसरों की साता का ध्यान रखते और किसी के मन को ठेस न पहुंचे, इसका भी ख्याल रखते थे। वहीं साधुचर्या, अनुशासन और मर्यादा के मामले में किसी प्रकार का समझौता नहीं करते थे। उन्होंने कहा कि आचार्यश्री ने इंसानों को भी संभाला और पात्रों को भी। शिष्य का हित, संघ की मर्यादा और साधु जीवन का अनुशासन उनके लिए समान रूप से महत्वपूर्ण था। उनका वात्सल्य व्यक्ति के प्रति था, लेकिन सिद्धांतों में कोई शिथिलता नहीं थी। युवाचार्यश्री ने कहा कि शरीर माता-पिता से मिली चादर है और संयम गुरु से मिली चादर। आचार्य आनंद ऋषिजी ने दोनों चादरों को जीवनभर मलिन नहीं होने दिया। शरीर के प्रति सजगता रखते हुए उन्होंने साधुचर्या की मर्यादा और संयम का पूरी निष्ठा से निर्वहन किया। गुरु से प्राप्त संयम को उन्होंने शील, सदाचार, अनुशासन और सिद्धांतनिष्ठ जीवन से गरिमा प्रदान की। उन्होंने कहा कि आचार्यश्री का जीवन उस महापुरुष की जीवनगाथा है, जिसने गुरु से मिली संयम की चादर को केवल धारण नहीं किया, बल्कि अपने आचरण से उसकी मर्यादा को जीवनभर निभाया। उनकी जन्मजयंती पर उनका स्मरण तभी सार्थक है, जब उनके जीवन से मिले इन मूल्यों को अपने आचरण में उतारने का भाव जागे। इस अवसर पर हितमितभाषी हितेंद्र ऋषि जी, महासती प्रियुदर्शनाजी,विदुषी सुप्रभाजी, साध्वी चिंतनश्रीजी, साध्वी काव्याश्रीजी एवं यश सुशिष्या सुप्रभाजी आदि ने भजन एवं विचारों के माध्यम से आचार्यश्री के जीवन का स्मरण करते हुए कहा कि आचार्यश्री शरीर रूप में भले हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके संस्कार, विचार और गुण आज भी समाज को दिशा दे रहे हैं। इसदौरान साध्वी नाव्याश्रीजी के 11 उपवास पूर्ण होने पर युवाचार्यश्री ने उन्हें आदर की चादर प्रदान कर तप की अनुमोदना की।महिला मंडल की बहनों ने भी नौ उपवास का संकल्प लेकर साध्वीजी को आदर की चादर ओढ़ाई। वहीं 29 उपवास की दीर्घ तपस्या पूर्ण करने वाली आशादेवी कुकड़ा का श्री संघ, महावीर युवक मंडल एवं शांति जैन महिला मंडल की ओर से अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मान किया गया। शांतिभवन के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद चीपड़ एवं मंत्री नवरतनमल भलावत ने बताया कि जन्मजयंती समारोह में 1008 से अधिक श्रावक-श्राविकाओं ने युवाचार्यश्री से आयंबिल तप के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। आचार्य आनंद ऋषिजी महाराज की जन्मजयंती पर हुई इस सामूहिक तप आयंबिल के लाभार्थी नवरतनमल बंब का श्री संघ की ओर से अभिनंदन किया गया। तथा तपस्यार्थियों के तप की सामूहिक रुप अनुमोदना की गई

सरकारी स्कूल सवाईपुर ने 131 फीट तिरंगे के साथ रचा इतिहास, 700 विद्यार्थियों की भव्य तिरंगा यात्रा

हर घर तिरंगा अभियान के तहत निकली जिले की सबसे लंबी तिरंगा यात्रा, ग्रामीणों ने पुष्पवर्षा कर किया स्वागत

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (पंकज पोरवाल)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में राज्य सरकार एवं शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार आजादी के अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा अभियान में गुरुवार को कोटड़ी उपखंड की सवाईपुर ग्राम पंचायत स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ने 131 फीट लंबे तिरंगे के साथ ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा निकालकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। विशाल तिरंगा यात्रा में 700 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पूरे कस्बे में देशभक्ति का अद्भुत वातावरण छा गया। विद्यालय की ओर से पहली बार 131 फीट लंबे तिरंगे को यात्रा में शामिल किया गया, जो पूरे आयोजन का प्रमुख आकर्षण रहा। तिरंगे के साथ सेल्फी लेने के लिए विद्यार्थियों और ग्रामीणों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने इस अनूठे प्रयास की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए विद्यालय को बधाई दी। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ पूर्व सरपंच अमरचंद गाडरी तथा विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. प्रतिष्ठा ठाकुर ने झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर शांतिलाल आचार्य, गोविंद प्रजापत एवं अभिषेक श्रोत्रिय सहित अनेक गणमान्य नागरिकों का स्वागत किया गया। विद्यालय परिसर से प्रारंभ हुई यात्रा तेजाजी चौक, सालरिया मार्ग, बड़ा मंदिर, गाड़री मोहल्ला, विद्युत ग्रिड, भगवा सर्किल एवं मुख्य बस स्टैंड से होते हुए पुनः विद्यालय पहुंची। मार्गभर ग्रामीणों ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया तथा भारत माता की जय, वंदे मातरम् और इंकलाब जिंदाबाद के गगनभेदी नारों से वातावरण राष्ट्रभक्ति से सराबोर हो उठा। प्रधानाचार्य डॉ. प्रतिष्ठा ठाकुर के नेतृत्व में विद्यार्थी हाथों में तिरंगा थामे देशभक्ति गीतों पर कदमताल करते हुए आगे बढ़ते रहे। 131 फीट लंबे तिरंगे के साथ सैकड़ों बच्चों का अनुशासित मार्च लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना। यात्रा जिस मार्ग से गुजरी, वहां ग्रामीणों ने अपने मोबाइल कैमरों में इस ऐतिहासिक पल को कैद किया। सवाईपुर में लगातार दूसरी बार आयोजित इस भव्य तिरंगा यात्रा की सफलता पर जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने विद्यालय परिवार, विशेषकर प्रधानाचार्य डॉ. प्रतिष्ठा ठाकुर के नेतृत्व और आयोजन क्षमता की सराहना करते हुए इसे राष्ट्रप्रेम का प्रेरणादायी उदाहरण बताया।

ब्यावर में राज्य स्तरीय दल का छापा: 138 अफसर कर्मचारी नदारद, कई कार्यालयों पर मिले ताले

अनुपस्थित कार्मिकों पर गिरेगी गाज, अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए रिपोर्ट उच्च स्तर पर भेजी जाएगी

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। जिला मुख्यालय ब्यावर एवं पंचायत समिति जवाजा स्थित सरकारी दफ्तरों में कर्मचारियों की मनमानी और लेट-लतीफी पर राज्य स्तरीय निरीक्षण दल ने कड़ा शिकंजा कसा है। प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दिनेश कुमार के निर्देशों पर गुरुवार को की गई आकस्मिक छापेमारी में 138 अधिकारी व कर्मचारी नदारद मिले, जबकि कई कार्यालयों में तो ताले लटके पाए गए।

निरीक्षण दल की सुबह 10 बजे बड़ी कार्रवाई

शासन उप सचिव एवं अतिरिक्त निदेशक (निरीक्षण) सुनील कुमार शर्मा के नेतृत्व में गठित उच्च स्तरीय दल ने सुबह ठीक 10 बजे ब्यावर व जवाजा के विभिन्न सरकारी दफ्तरों में एक साथ दबिश दी। दल में सहायक शासन सचिव राम स्वरूप विश्नोई, महेन्द्र कुमार सरावता, चेना राम भदाला, अनुभाग अधिकारी सुरेन्द्र सिंह नोहरा सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी शामिल थे।

आंकड़ों में अनुपस्थिति का हाल:

ब्यावर जिला मुख्यालय: 16 कार्यालयों के निरीक्षण में 27 में से 12 राजपत्रित (राजपत्रित अधिकारी) और 138 में से 85 अराजपत्रित कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए।

पंचायत समिति जवाजा: 10 कार्यालयों की जांच में 15 में से 7 राजपत्रित अधिकारी और 72 में से 34 कर्मचारी गायब मिले।

सरकारी दफ्तरों पर लटके मिले ताले

निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक अव्यवस्था का आलम यह रहा कि वनपाल नाका (जवाजा रेंज), कृषि पर्यवेक्षक कार्यालय (जवाजा) और ग्राम पंचायत जवाजा के मुख्य द्वारों पर ताले लटके मिले। दफ्तर बंद होने के कारण निरीक्षण टीम हाजिरी रजिस्टर तक की जांच नहीं कर सकी।

कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

निरीक्षण दल ने साफ किया कि कार्यालयों में समयबद्ध उपस्थिति और पारदर्शी कार्य संस्कृति से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। अनुपस्थित पाए गए सभी अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए रिपोर्ट उच्च स्तर पर प्रेषित की जा रही है।

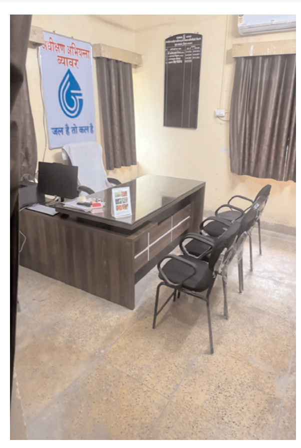

बेगूं में कांग्रेस का विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन एवं वरिष्ठ जन सम्मान समारोह

स्थानीय कार्यकर्ताओं की अनुशंसा से मिलेगा टिकट, युवा एवं स्थानीय चेहरों को प्राथमिकता - उदयलाल आंजना

डोडा-चूरा नष्टीकरण के मुद्दे पर केंद्र एवं राज्य सरकार को घेरा, कांग्रेस कार्यकर्ताओं में दिखा जबरदस्त उत्साह

स्मार्ट हलचल

बेगूं। आगामी पंचायती राज एवं नगर निकाय चुनावों को लेकर बेगूं स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर परिसर में गुरुवार को बेगूं-रावतभाटा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन एवं वरिष्ठ जन सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सम्मेलन में बेगूं-रावतभाटा विधानसभा क्षेत्र सहित दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता पहुंचे। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं का उत्साह और जोश देखते ही बन रहा था। विशेष रूप से बड़ी संख्या में वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ताओं की उपस्थिति ने सम्मेलन को संगठनात्मक दृष्टि से खास बना दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री उदयलाल आंजना रहे, जबकि अध्यक्षता बेगूं-रावतभाटा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष पारस जैन बोराव ने की। वरिष्ठ अतिथियों के रूप में गौरीलाल गुर्जर एवं नरेंद्र सिंह डूंगला उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान नीलकंठ महादेव की पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके पश्चात ब्लॉक क्षेत्र के सैकड़ों वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ताओं का सम्मान कर उनके लंबे राजनीतिक एवं संगठनात्मक योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

स्थानीय कार्यकर्ताओं की अनुशंसा से तय होंगे चुनावी टिकट – आंजना

सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री उदयलाल आंजना ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का आधार उसका जमीनी कार्यकर्ता है। आगामी पंचायती राज एवं नगर निकाय चुनावों में टिकट वितरण को लेकर स्थानीय संगठन एवं कार्यकर्ताओं की राय और अनुशंसा को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय चेहरों को चुनाव मैदान में उतारा जाएगा, जो जनता के बीच सक्रिय हैं और पार्टी को मजबूती के साथ जीत दिलाने की क्षमता रखते हैं। आंजना ने कहा कि युवा शक्ति और स्थानीय नेतृत्व को आगे लाना कांग्रेस की प्राथमिकता होगी, वहीं महिलाओं की भी चुनावों में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे आपसी मतभेदों को भुलाकर संगठन की मजबूती और कांग्रेस की जीत के लिए एकजुट होकर काम करें।

डोडा-चूरा नष्टीकरण के मुद्दे पर सरकार को घेरा

पूर्व मंत्री आंजना ने केंद्र एवं राज्य की भाजपा सरकार पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने अफीम किसानों से जुड़े डोडा-चूरा नष्टीकरण प्रकरण का मुद्दा उठाते हुए कहा कि अफीम किसान पहले ही अनेक चुनौतियों से जूझ रहे हैं और ऐसे में उन पर अनावश्यक दबाव एवं कठोर नियम थोपना उचित नहीं है। उन्होंने सरकार से किसानों के हित में व्यावहारिक एवं संवेदनशील नीति अपनाने की मांग की तथा कहा कि कांग्रेस किसानों के अधिकारों और उनके हितों की लड़ाई मजबूती से लड़ेगी।

'कांग्रेस में कार्यकर्ता को सम्मान भी मिलेगा और न्याय भी' – पारस जैन

कार्यकारी ब्लॉक अध्यक्ष पारस जैन बोराव ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी कांग्रेस कार्यकर्ता को अपनी निष्ठा और वफादारी का प्रमाण किसी नेता से लेने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि यह राहुल गांधी जी की कांग्रेस है, जहां जमीनी कार्यकर्ता को सम्मान भी मिलेगा और न्याय भी। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण हैं और कार्यकर्ताओं की मेहनत, एकजुटता एवं संगठनात्मक ताकत के दम पर बेगूं-रावतभाटा ब्लॉक क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी का मजबूत जनाधार तैयार किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी चुनावों में दोनों पंचायत समितियों के प्रधान तथा नगरपालिका चेयरमैन कांग्रेस पार्टी के बनेंगे। पारस जैन ने वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के योगदान को कांग्रेस संगठन की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि वरिष्ठों के अनुभव और युवाओं के जोश के साथ पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत किया जाएगा।

अग्रिम संगठनों की मजबूत भागीदारी

सम्मेलन में महिला कांग्रेस कमेटी की जिला अध्यक्ष यशोदा नरेंद्र पुरोहित के नेतृत्व में सैकड़ों महिलाओं ने जिले में पहली बार पार्टी के कार्यक्रम में इतनी संख्या में भाग लिया जिसकी सराहना व प्रशंसा स्वयं उदय लाल आँजणा व अन्य वक्ताओं ने की भरपूर की। महिला जिला अध्यक्ष यशोदा नरेन्द्र पुरोहित, गंगरार-पारसोली ब्लॉक अध्यक्ष परमेश्वर जाट, गंगरार प्रधान प्रतिनिधि रविंद्र सिंह राणावत, पूर्व प्रधान शक्ति सिंह, कांग्रेस नेता जितेंद्र सिंह नाहरगढ़, महिला कांग्रेस प्रदेश महासचिव वंदना शर्मा, नगरपालिका उपाध्यक्ष प्रिंस बाबेल, विधानसभा प्रभारी गौरीलाल गुर्जर, पूर्व जिला उपाध्यक्ष व पार्षद नरेन्द्र कुमार पुरोहित, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष मांगीलाल गुर्जर, पूर्व नगरपालिका चेयरमैन वृद्धिचंद कोठारी, स्तराजस्थान पत्रिकास्स जिला अध्यक्ष गिरधारीलाल जाट, जावद विधानसभा के कांग्रेस नेता बालकिशन धाकड़, हस्द्ध जिलाध्यक्ष अल्पेश गोस्वामी, पूर्व जिला परिषद प्रत्याशी एवं किसान महापंचायत जिला अध्यक्ष प्रकाश धाकड़, स्तराजस्थान पत्रिकास्स विधानसभा ब्लॉक अध्यक्ष अशोक धाकड़, नरेंद्र सिंह डूंगला, युवा नेता रविराज गुर्जर, महिला जिला उपाध्यक्ष गायत्री सोनी, वरिष्ठ कार्यकर्ता तेजमल रेगर एवं महिला महासचिव आशा दमामी, पार्षद सुशीला रेगर सहित अनेक कांग्रेस नेताओं एवं पदाधिकारियों ने संबोधित किया।

कार्यक्रम का मंच संचालन पूर्व युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष दिनेश मेवाड़ा ने किया।

सम्मेलन में महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, हस्द्ध, राजीव गांधी पंचायती राज संगठन, सेवादल सहित कांग्रेस के विभिन्न अग्रिम संगठनों एवं प्रकोष्ठों के हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सम्मेलन के दौरान कार्यकर्ताओं में आगामी पंचायती राज एवं नगर निकाय चुनावों को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। सम्मेलन ने बेगूं-रावतभाटा क्षेत्र में कांग्रेस के संगठनात्मक शक्ति प्रदर्शन के साथ-साथ आगामी चुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों का भी स्पष्ट संदेश दिया।

जमीनी विवाद में पीड़ित ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार, पुलिसकर्मी पर पैसे मांगने और समझौते का दबाव बनाने का आरोप

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। गांधीनगर थाना क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकरएक व्यक्ति अपनी मां के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा और एसपी सागर राणा के समक्ष न्याय की गुहार लगाई। पीड़ित ने ज्ञापनसौंपकर

गांधीनगर थाने में तैनात कॉन्स्टेबल पर पैसे मांगने और मामले में समझौता करने का दबाव बनाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित दिनेश सिंह राठौड़ ने बताया कि वर्ष 2006 में उसके पिता ने एक प्लॉट खरीदा था। तब से उक्त जमीन पर उनका कब्जा है। इसी जमीन को सुरेश लखारा नामक व्यक्ति अपना बताते हुए विवाद खड़ा कर रहा है। दिनेश के अनुसार, जमीन को लेकर न्यायालय में मामला विचाराधीन है। आरोप है कि इसके बावजूद सुरेश लखारा और उसके परिवार के लोग जेसीबी लेकर मौके पर पहुंचे और वहां बने कच्चे निर्माण को तोड़ दिया तथा कब्जे में रखी जमीन को नुकसान पहुंचाया। पीड़ित का आरोप है कि विरोध करने पर उसे धमकियां दी गईं। उसने बताया कि आरोपी कथित तौर पर 30 लाख रुपये तक खर्च करने की बात कहते हुए उसे जमीन से हटाने की धमकी दे रहा है। धमकियों के चलते वह पिछले तीन दिनों से अपने घर नहीं जा पा रहा है और परिवार से भी नहीं मिल पा रहा। दिनेश ने आरोप लगाया कि गांधीनगर थाने में उसकी शिकायत दर्ज नहीं की गई, जबकि दूसरे पक्ष की रिपोर्ट पर उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया। उसने गांधीनगर थाने में तैनात एक कॉन्स्टेबल पर पैसे मांगने और सेटलमेंट का दबाव बनाने का भी आरोप लगाया। पीड़ित ने एसपी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई और परिवार को सुरक्षा देने की मांग की है।

निकाय चुनाव की आहट के बीच भीलवाड़ा में भाजपा का सियासी मंथन

उपमुख्यमंत्री बैरवा की कार्यकर्ता बैठक और अफसरों से समीक्षा पर निगाहें, 14 अगस्त को शहर में रहेगा राजनीतिक हलचल का दौर

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (महेन्द्र नागौरी) आगामी निकाय चुनावों की आहट के बीच भीलवाड़ा में भाजपा की राजनीतिक सक्रियता बढ़ने लगी है। 14 अगस्त को उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा के भीलवाड़ा दौरे को चुनावी तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है। बैरवा शाम 5 बजे भाजपा जिला कार्यालय में कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे। इसके बाद शाम 6 बजे जिला कलेक्टर सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। उपमुख्यमंत्री का कार्यकर्ता बैठक में पहुंचना ऐसे समय में अहम माना जा रहा है, जब निकाय चुनावों को लेकर राजनीतिक दल संगठन को सक्रिय करने और संभावित दावेदारों की जमीन मजबूत करने में जुटे हैं। वार्ड स्तर की तैयारियों, संगठन की सक्रियता और चुनावी रणनीति को लेकर बैठक में मंथन की संभावना ने स्थानीय सियासी हलकों की नजरें भाजपा कार्यालय पर टिकाई हैं। इसी दिन राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी भी भीलवाड़ा पहुंचेंगे। वे दोपहर 12 बजे स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होकर शाम 3 बजे जयपुर रवाना होंगे। वित्त आयोग अध्यक्ष का दौरा भी निकायों से जुड़े विकास और वित्तीय मुद्दों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। 15 अगस्त को उपमुख्यमंत्री बैरवा भाजपा जिला कार्यालय में ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल होंगे और इसके बाद पुलिस लाइन स्थित मुख्य समारोह में हिस्सा लेंगे। निकाय चुनाव से पहले एक ही दिन उपमुख्यमंत्री का संगठनात्मक बैठक और प्रशासनिक समीक्षा में शामिल होना भाजपा के लिए सियासी और प्रशासनिक–दोनों मोर्चों पर अहम माना जा रहा है।

अधिवक्ताओं की राह हुई आसान, कोर्ट के पास डाक काउंटर शुरू

जिला न्यायाधीश जैन समेत अतिथियों ने किया शुभारंभ, न्यायालयीन पत्राचार भेजना होगा आसान

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / सेशन कोर्ट एवं अधिवक्ता चैंबर क्षेत्र में कार्यरत अधिवक्ताओं की सुविधा के लिए फिनार्क लीगल, एडवोकेट्स चैंबर बिल्डिंग में भारतीय डाक विभाग के अधिकृत डाक बुकिंग काउंटर का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन जिला न्यायाधीश अभय जैन, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा एवं जिला अभिभाषक संस्था अध्यक्ष एडवोकेट उम्मेदसिंह राठौड़ ने किया। नए काउंटर पर Speed Post, Registered Post, Parcel सहित अधिकृत डाक सेवाओं की बुकिंग भारतीय डाक के अधिकृत सिस्टम से होगी तथा ग्राहकों को अधिकृत रसीद दी जाएगी। दोपहर 3:30 बजे तक बुक होने वाली डाक को उसी दिन हेड पोस्ट ऑफिस भेजने की व्यवस्था रहेगी। काउंटर शुरू होने से अधिवक्ताओं को न्यायालयीन नोटिस, जवाब, दस्तावेज और कानूनी पत्राचार भेजने के लिए हेड पोस्ट ऑफिस जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे समय की बचत के साथ न्यायालयीन कार्य भी सुगम होगा। अधिवक्ताओं की मांग पर शुरू हुई इस सुविधा के लिए जिला अभिभाषक संस्था के प्रयासों की सराहना की गई। एडवोकेट अजय नौलखा एवं नौलखा परिवार के सहयोग को भी अतिथियों ने उल्लेखनीय बताया। काउंटर फिनार्क लीगल, एडवोकेट्स चैंबर बिल्डिंग, गली नंबर 4, गेट नंबर 2 के पास, सेशन कोर्ट रोड पर संचालित होगा। कार्यक्रम में जिला अभिभाषक संस्था के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

टोंक-मालपुरा मुख्य मार्ग पर 'विकास' की अविरल धारा, नलों में पानी आए न आए, सड़कें लबालब

स्मार्ट हलचल

पीपलू (नरेश कुरेडा)। उपखंड क्षेत्र के इस्लामपुरा नयागांव में जल निकासी की बदहाल व्यवस्था ने ग्रामीणों और राहगीरों की परेशानी बढ़ा दी है। टोंक-मालपुरा मुख्य मार्ग पर नालियों का गंदा पानी सड़क पर बहने और जमा होने से यहां हालात चिंताजनक बने हुए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि जिम्मेदारों की अनदेखी के चलते समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन इसका स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा।

बिना बारिश सड़क पर 'तालाब' का नजारा

नयागांव के मुख्य मार्ग से गुजरने वाले लोगों को इन दिनों सड़क पर जगह-जगह जमा गंदे पानी से होकर निकलना पड़ रहा है। खास बात यह है कि कई स्थानों पर पानी जमा रहने के कारण सड़क और नाली के बीच का अंतर तक समझ पाना मुश्किल हो जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के दिनों में तो स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, लेकिन यहां बिना बारिश के भी सड़क पर जलभराव बना हुआ है। ग्रामीणों ने व्यंग्य करते हुए कहा कि मानसून आए या न आए, नयागांव के मुख्य मार्ग पर 'जल पर्यटन' की सुविधा हर समय उपलब्ध है। नलों में पानी आए या नहीं, लेकिन सड़क पर पानी की कमी नहीं है।

गंदे पानी और कचरे से राहगीर परेशान

मुख्य मार्ग पर जमा गंदे पानी के साथ कचरा भी फैल रहा है। इससे राहगीरों को दुर्गंध के बीच से गुजरना पड़ता है। पैदल चलने वाले लोगों को विशेष परेशानी होती है, वहीं दोपहिया वाहन चालकों के लिए भी सड़क पर जमा पानी और कीचड़ परेशानी का कारण बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर पानी जमा रहने से कई बार वाहन चालकों को पानी की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता। ऐसे में गड्ढों में वाहन फंसने या फिसलने का खतरा बना रहता है। रात के समय समस्या और गंभीर हो जाती है, क्योंकि अंधेरे में सड़क पर जमा पानी और गड्ढे दिखाई नहीं देते।

जल निकासी व्यवस्था पर उठ रहे सवाल

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में जल निकासी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण नालियों का पानी सड़क पर आ जाता है। यदि समय रहते नालियों की सफाई और जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो आने वाले दिनों में समस्या और बढ़ सकती है। ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों का ध्यान आकर्षित कराया गया, लेकिन अभी तक कोई ठोस समाधान नजर नहीं आया। ग्रामीणों का कहना है कि केवल आश्वासन से समस्या दूर नहीं होगी, बल्कि मौके पर पहुंचकर जल निकासी की स्थायी व्यवस्था करनी होगी।

स्वच्छता के दावों पर सवाल

एक ओर स्वच्छ भारत अभियान और साफ-सफाई को लेकर लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर गांव के मुख्य मार्ग पर गंदा पानी और कचरा जमा होना व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि मुख्य सड़क किसी गांव की पहचान होती है, लेकिन नयागांव में सड़क की स्थिति राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। गंदे पानी के लंबे समय तक जमा रहने से मच्छरों की समस्या भी बढ़ने की आशंका है। ग्रामीणों को डर है कि यदि जलभराव की समस्या जल्द दूर नहीं की गई तो बरसात के मौसम में स्थिति और खराब हो सकती है।

'विकास' के पानी में फंसा नयागांव!

ग्रामीणों ने तंज कसते हुए कहा कि सरकार जल संरक्षण की बात करती है, लेकिन नयागांव में बिना बारिश के ही 'विकास का पानी' सड़कों पर बह रहा है। मुख्य मार्ग पर बहता गंदा पानी स्थानीय व्यवस्था की हकीकत खुद बयां कर रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मौके का निरीक्षण कर नालियों की सफाई कराई जाए, पानी की निकासी के लिए स्थायी व्यवस्था की जाए तथा सड़क पर जमा गंदे पानी और कचरे को हटाया जाए। साथ ही ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ तो उन्हें प्रशासन के समक्ष अपनी समस्या को लेकर आवाज उठाने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी इस समस्या को कब गंभीरता से लेते हैं और नयागांव के मुख्य मार्ग को 'गंदे पानी की धारा' से कब मुक्ति मिलती है ।

आचार्य श्री से विहिप की विशेष चर्चा

संघ-विहिप के कार्यकर्ता 'सिविल सन्यासी', राष्ट्रसेवा में समर्पित : जगतगुरु स्वामी रामदयाल महाराज

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (महेन्द्र नागौरी) श्री रामस्नेही संप्रदाय के प्रधान पीठाधीश्वर जगतगुरु स्वामी रामदयाल जी महाराज ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता 'सिविल सन्यासी' हैं, जो दिन-रात राष्ट्र और मानवता की सेवा में जुटे हैं। चातुर्मास के दौरान श्री रामद्वारा में विहिप राजस्थान क्षेत्र के क्षेत्रीय मंत्री सेवानिवृत्त इंजीनियर सुरेश उपाध्याय सहित विहिप पदाधिकारियों ने आचार्यश्री से भेंट कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान सनातन धर्म, संस्कृति, समाजसेवा और युवाओं को जागृत करने सहित विभिन्न विषयों पर गहन मंथन हुआ। आचार्यश्री ने कहा कि रामस्नेही संप्रदाय के संत और भक्त सदैव सनातन धर्म व संस्कृति के संरक्षण के लिए समर्पित रहे हैं। युवाओं को जागृत और संगठित करना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। संगठन इस दिशा में प्रभावी कार्य करे, तभी व्यापक समाज और विश्व का कल्याण संभव है।

लेबर रूम सेवाओं में गुणवत्ता सुधार पर चिकित्सकों को प्रशिक्षण

मातृ-शिशु स्वास्थ्य सुरक्षा पर फोकस, प्रसव के दौरान बेहतर देखभाल के दिए टिप्स

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और प्रभावी बनाने के लिए गुरुवार को आईएमए हॉल में चिकित्सकों, नर्सिंग अधिकारियों व महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित हुई। एमजीएच की सहायक प्रोफेसर डॉ. कीर्ति गुप्ता ने लेबर रूम में निर्धारित मानकों के अनुरूप सेवाएं, उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग तथा प्रसव के दौरान मां और नवजात की सुरक्षित देखभाल के व्यावहारिक टिप्स दिए। सीएमएचओ डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने प्रशिक्षण में मिली जानकारी को संबंधित चिकित्सा संस्थानों में प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए। जिला आरसीएच अधिकारी डॉ. अभिनव निर्वाण ने बताया कि प्रशिक्षण में जिला व उप जिला अस्पतालों सहित सीएचसी-पीएचसी के चिकित्सक एवं नर्सिंग अधिकारी तथा उप स्वास्थ्य केंद्रों की महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता शामिल हुईं। 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत प्रशिक्षण स्थल पर सभी कार्मिकों ने 'वन्दे मातरम्' का सामूहिक गायन कर राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति का संदेश दिया।

मांडल विकास पुस्तिका' बनी क्षेत्र की प्रगति का आईना, मुख्यमंत्री ने किया विमोचन

जयपुर में मुख्यमंत्री आवास पर हुआ लोकार्पण, विधायक उदयलाल भड़ाणा ने विकास कार्यों का प्रस्तुत किया विज़न

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (पंकज पोरवाल)। जिले के मांडल विधानसभा क्षेत्र की विकास यात्रा को दस्तावेज़ी स्वरूप देने वाली 'मांडल विकास पुस्तिका' का गुरुवार को जयपुर स्थित मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विमोचन किया। इस अवसर पर विधायक उदयलाल भड़ाणा ने क्षेत्र में हुए जनकल्याणकारी और आधारभूत विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत की। विधायक प्रवक्ता कमलेश सिंह गुढ़ा ने बताया कि पुस्तिका में मांडल क्षेत्र में पिछले वर्षों के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, सिंचाई तथा विभिन्न विकास परियोजनाओं की उपलब्धियों को समग्र रूप से संकलित किया गया है। विधायक उदयलाल भड़ाणा ने कहा कि यह पुस्तिका केवल विकास कार्यों का संकलन नहीं, बल्कि मांडल की प्रगति, जनविश्वास और सुशासन की जीवंत गाथा है। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में राजस्थान निरंतर विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है और मांडल विधानसभा क्षेत्र भी तेज़ी से उन्नति की राह पर अग्रसर है। उन्होंने क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए मुख्यमंत्री से मिल रहे निरंतर सहयोग, मार्गदर्शन और प्रेरणा के प्रति हार्दिक आभार एवं अभिनंदन व्यक्त किया।

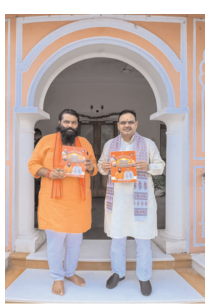

अमृतकौर अस्पताल की बदहाली पर बरसी कांग्रेस, मुख्य द्वार पर टांगा 'राजकीय रेफरल अस्पताल' का बैनर

21 अगस्त को ब्यावर बंद का अल्टीमेटम

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय की बदहाल चिकित्सा व्यवस्थाओं के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, ब्यावर के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ज़ोरदार प्रदर्शन किया। आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने अस्पताल के मुख्य द्वार पर तीन घंटे से अधिक समय तक धरना देकर CMHO एवं PMO का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने प्रतीकात्मक विरोध दर्ज कराते हुए मुख्य द्वार पर 'राजकीय रेफरल अस्पताल' का बैनर लगा दिया और राजस्थान सरकार के मंत्री अविनाश गहलोत एवं स्थानीय विधायक शंकरसिंह रावत का पुतला दहन किया। 3 घंटे तक डटे रहे कार्यकर्ता, पुलिस हस्तक्षेप के बाद पहुंचे अधिकारी प्रदर्शन के दौरान पुलिस उप अधीक्षक राजेश कसाना के हस्तक्षेप पर CMHO एवं PMO मौके पर पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने तीन घंटे से अधिक समय तक मौके पर डटे रहकर प्रशासन पर कार्रवाई का दबाव बनाए रखा और PMO के इस्तीफे की मांग उठाई।

सरकार और प्रशासन पर तीखे प्रहार

जिला कांग्रेस अध्यक्ष किशोर चौधरी ने कहा कि अमृतकौर अस्पताल लाखों लोगों के लिए जीवनरेखा है, लेकिन इसकी मौजूदा स्थिति चिंताजनक है। मंत्री और विधायक द्वारा स्थिति की गंभीरता स्वीकारने के बाद भी मरीजों को इलाज की जगह रेफर किया जा रहा है। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को फटकार लगाते हुए कहा कि जिसका मुख्य द्वार ही टूटा पड़ा हो, उस अस्पताल की हालत का अंदाज़ा लगाया जा सकता है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट अजय शर्मा ने बताया कि 7 मार्च और 12 मई को ज्ञापन देने के बावजूद स्थिति बिगड़ती गई। उन्होंने ष्टस्नह्र को ज्ञापन सौंपकर विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति तथा CT Scan व MRI मशीनों की तत्काल सुविधा शुरू करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सात दिनों में कार्रवाई नहीं हुई तो 21 अगस्त 2026 को 'ब्यावर बंद' किया जाएगा।

प्रदर्शन में ये सभी नेता और कार्यकर्ता रहे शामिल

प्रदर्शन का संचालन ब्लॉक प्रवक्ता वृतंजय आर्य ने किया। इस दौरान प्रमुख रूप से: प्रमुख पदाधिकारी व जनप्रतिनिधिः कांग्रेस प्रत्याशी पारस पंच, प्रदेश कांग्रेस खनन प्रकोष्ठ अध्यक्ष आशीषपाल पदावत, जवाजा ब्लॉक अध्यक्ष धरमसिंह भाटी, नेता प्रतिपक्ष दलपत मेवाड़ा, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष अजमत काठात, युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनीष साँखला, NSUI जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र साँखला, OBC प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष कैलाश गहलोत, जिला उपाध्यक्ष राजेन्द्र ओस्तवाल, मेघराज बोहरा, नगर कांग्रेस अध्यक्ष भरत बाघमार तथा मंडल अध्यक्ष हिमांशु शर्मा।

महिला नेत्रियांः पुष्पांजलि पारीक, शोभा चौधरी, यशोदा गुर्जर, विमला जूनवाल, प्रदेश नेत्री जानवी भारवानी, उर्मिला सोलंकी, मोनिका राजावत एवं भारती शर्मा।

वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं समर्थकः गोपाल डाणी, सुनील कांठेड़, बालकिशन गोठवाल, धर्मेंद्र बारिया, नरसिंह गहलोत, अश्वनी प्रजापति, अरविंद मेवाड़ा, अभिषेक रूनीवाल, हारून छीपा ,रफीक छीपा, दिलीप सोलिवाल, जीवराज जावा, मगन सोलंकी, अय्यूब गौरी, शकील खिलजी, प्रताप काठात, लक्ष्मीकांत सेन, चन्द्रप्रकाश साहू, अशोक साहू, सुरेश साहू, कान्हा पंवार, त्रिभुवन राय, रवि डंडायत, और जितेंद्र सिंह राजावत सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस पर ट्रैफिक प्लान शहर में बदलेगा यातायात का रूट

15 अगस्त को पुलिस लाइन में समारोह, ट्रैफिक व्यवस्था रहेगी कड़ी–कॉलोनियों के लिए बदले रूट

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर पुलिस प्रशासन ने यातायात व्यवस्था को लेकर कमर कस ली है। 15 अगस्त को जिला स्तरीय मुख्य समारोह पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में आयोजित होगा। समारोह के दौरान यातायात को सुचारु रखने और आमजन को परेशानी से बचाने के लिए वाहनों की पार्किंग और रूट डायवर्जन की व्यवस्था लागू की गई है। संतोषी माता मंदिर रोड पर अंडरब्रिज के पास दोपहिया एवं चौपहिया वाहनों की पार्किंग रहेगी। वहीं पुलिस लाइन के सामने अंडरब्रिज से खड़ेश्वरजी महाराज मंदिर की ओर जाने वाली सड़क के साइड में छात्र-छात्राओं को लाने वाली बसों के लिए पार्किंग निर्धारित की गई है। वीआईपी, विशिष्टजनों, प्रेस-मीडिया और सरकारी वाहनों की पार्किंग पुलिस लाइन ग्राउंड के भीतर होगी। इन इलाकों के लिए बदलेगा रूट समारोह के चलते पुलिस लाइन के आसपास की कॉलोनियों के आवागमन के लिए वैकल्पिक मार्ग तय किए गए हैं। संतोष कॉलोनी, चपरासी कॉलोनी और मारुति कॉलोनी का यातायात पांडू के नाले वाले अंडरब्रिज से होकर शहर में प्रवेश करेगा। शिव नगर, विवेकानगर और पुलिस लाइन के सामने से गुजरने वाला यातायात रामनगर होकर शहर में दाखिल होगा। वहीं खड़ेश्वरजी महाराज मंदिर की ओर से संबंधित कॉलोनियों में जाने वाला यातायात ओवरब्रिज होते हुए अजमेर चौराहा होकर अपने गंतव्य तक पहुंचेगा। पुलिस प्रशासन ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान यातायात व्यवस्था को सुगम बनाए रखने के लिए आमजन से निर्धारित पार्किंग और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की है।

रास थाना पुलिस ने 85 किलो अवैध डोडा पोस्त के साथ दो तस्करों को दबोचा, ऑल्टो कार जब्त

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर/रास। राज्य में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने एवं अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत रास थाना पुलिस ने गुरुवार तड़के बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने पीलपाया-सालिया मार्ग से अवैध रूप से 84.960 किलोग्राम डोडा पोस्त का परिवहन करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना में प्रयुक्त मारुति सुजुकी ऑल्टो कार (RJ 01 ष्टष्ट 6908) को भी जब्त कर लिया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अनुकृति उज्जैनियां एवं उप अधीक्षक (जैतारण) रमेन्द्रसिंह हाडा के सुपरविजन में यह कार्रवाई रास थानाधिकारी मंजू मुलेवा के नेतृत्व में अंजाम दी गई।

तड़के 3 बजे मुखबिर से मिली गुप्त सूचना

थानाधिकारी मंजू मुलेवा ने बताया कि सुबह करीब 3:08 बजे विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली थी कि पीलपाया और सालिया के बीच मुख्य सड़क पर खड़ी एक सफेद ऑल्टो कार में भारी मात्रा में अवैध डोडा पोस्त भरा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम जाप्ते, सरकारी वाहन एवं लैपटॉप-प्रिंटर सहित आवश्यक साजो-सामान के साथ मौके पर पहुंची। मौके पर घेराबंदी कर कार में मौजूद दो संदिग्ध व्यक्तियों को दस्तयाब किया गया। कार की डिग्गी और पिछली सीट की तलाशी लेने पर 3 प्लास्टिक के कट्टे मिले, जिनमें कुल 84.960 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त भरा हुआ था।

अजमेर और ब्यावर के रहने वाले हैं आरोपी

मादक पदार्थ के परिवहन से संबंधित कोई वैध परमिट प्रस्तुत न कर पाने पर दोनों आरोपियों को मौके पर ही धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचानः रमेश (30 वर्ष) पुत्र मंगलाराम गुर्जर, निवासी धुवाड़िया (थाना पीसांगन, जिला अजमेर) सांवरलाल (23 वर्ष) पुत्र प्रभुराम जाट, निवासी शिवनगरी कुड़की (थाना रास, जिला ब्यावर) के रूप में हुई है। कार्रवाई के दौरान कार से 3 मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। मामले का अग्रिम अनुसंधान आनंदपुर कालू थानाधिकारी (उप निरीक्षक) गणपतराम के सुपुर्द किया गया है।

कार्रवाई में शामिल पुलिस टीम

कार्रवाई करने वाली टीम में थानाधिकारी मंजू मुलेवा के साथ एएसआई निर्मलसिंह, कांस्टेबल सतीश (विशेष भूमिका), सुशील, रामचरण, बस्तीराम, देवकरण, करतारसिंह, कैलाशनाथ, सुनिल और मैनाराम शामिल रहे।

भीलवाड़ा में जुटेंगे वनवासी संगठन के 350 से अधिक राष्ट्रीय प्रतिनिधि

30 सितंबर से 5 अक्टूबर तक होगी छह दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकर्ता बैठक, तैयारियों को लेकर 15 अगस्त को आएंगे भगवान सहाय

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा(महेन्द्र नागौरी) वनवासी कल्याण आश्रम की अखिल भारतीय स्तर की छह दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकर्ता बैठक 30 सितंबर से 5 अक्टूबर तक भीलवाड़ा में आयोजित होगी। हरणी महादेव के पास रामेश्वरम भवन में होने वाली बैठक में देशभर से 350 से अधिक केंद्रीय प्रतिनिधि भाग लेंगे। वनवासी कल्याण परिषद के प्रांत नगरीय प्रमुख रामप्रकाश अग्रवाल ने बताया कि बैठक की तैयारियों को लेकर अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री भगवान सहाय 15 अगस्त को एक दिवसीय प्रवास पर भीलवाड़ा आएंगे। बैठक का संयोजक ज्ञानचंद जैन को बनाया गया है। जिला सचिव कैलाश नंदावत ने बताया कि 15 अगस्त को वनवासी कल्याण परिषद की जिला इकाई की विस्तृत बैठक भी होगी, जिसमें जिला, महानगर और महिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी शामिल होंगे।

लीज क्षेत्र में सघन पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

हजारों पौधे लगाकर हरियाली बढ़ाने का संकल्प, खनन विभाग के साथ लीजधारक ने चलाया अभियान

स्मार्ट हलचल

सुरज वर्मा फूलियाकलां कस्बे में खनन क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लीजधारक आशुसिंह भाटी ने खनन विभाग के साथ संयुक्त रूप से सघन पौधारोपण अभियान चलाया। अभियान के तहत विभिन्न प्रजातियों के छायादार एवं फलदार पौधे विद्यालयों, मंदिरों, पंचायत भवनों, चारागाह, श्मशान एवं कब्रिस्तान सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर लगाए गए। लीजधारक के अनुसार देवपुरा ग्राम में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय माली भवन परिसर में 950, सामुदायिक भवन में 50 तथा हनुमान मंदिर परिसर में 180 पौधे लगाए गए। ग्राम मुंहला में कल्याण गौशाला में 4200 तथा शिव मंदिर परिसर में 300 पौधे लगाए गए। इसी प्रकार फूलियाकलां ग्राम पंचायत क्षेत्र में 5400 पौधे लगाए गए। इनमें चारागाह भूमि पर 1300, श्मशान भूमि पर 700, मुस्लिम समाज के कब्रिस्तान में 400, महात्मा गांधी विद्यालय में 200 तथा पंचायत भवन परिसर में पौधारोपण किया गया। धनोप ग्राम पंचायत क्षेत्र में पाल पर 1800 पौधे लगाए गए, जबकि राज्यास ग्राम के राजकीय बालिका विद्यालय में 250 पौधे लगाए गए। अभियान के दौरान पौधों के संरक्षण एवं उनकी नियमित देखभाल पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम में लसाड़िया सरपंच कांता देवी, डाबला चांदा सरपंच जगदीश कंवर, फूलियाकलां सरपंच रतनी देवी जाट सहित कंपनी प्रतिनिधि महेश शर्मा, राजेंद्र सिंह, सुनील शर्मा, बजरंग शर्मा, शाहरूख खान एवं अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। आयोजकों ने कहा कि पौधारोपण के साथ-साथ पौधों की देखभाल सुनिश्चित करना भी पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम कदम है।

भवानी मंडी नगर पालिका अध्यक्ष पद सामान्य अनारक्षित होने पर चुनाव रोमांचक होने की संभावना बढी...

स्मार्ट हलचल

रणवीर सिंह चौहान भवानी मंडी आज झालावाड़ जिला मुख्यालय पर नगर पालिका अध्यक्ष पद के लिए निकल गई लॉटरी में नगर पालिका अध्यक्ष पद सामान्य अनरीक्षित का घोषित होने के बाद चुनाव रोमांचक होने की संभावना हो गई है भवानी मंडी जिस पर अभी कांग्रेस का कब्जा कविस था पूर्व में हुए चुनाव में भी यहां स्थिति बहुत ही रोचक बनी थी एक निर्दलीय और एक एसडीपी पार्टी के प्रत्याशी के सहयोग से कांग्रेस ने अपना बोर्ड बनाया था पिछली बार भी यह पद अनारक्षित था इस पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कैलाश बोहरा अध्यक्ष बने थे इस बार भी यह पद अनारक्षित होने से चुनाव में रोमांच बढ़ाने की संभावना है लॉटरी के साथ-साथ साथ ही पालिका अध्यक्ष के पद के दावेदारों की सरगर्मियां बढ़ गई है अध्यक्ष पद के दावेदार अपने-अपने समर्थक वार्ड पार्षदों से संपर्क करने लगे हैं संभावित पार्षदों की भी पूछ पर बढ़ने लगी है शहर की सुस्त सी पड़ी राजनीति में मानो रफ्तार लग गई हो इस आरक्षण के साथ ही राजनीतिक बिगुल बज चुका है भाजपा तथा कांग्रेस के कद्दावर नेता जो जो अध्यक्ष पद की दौड़ में है वह सब निकट भविष्य में सक्रिय हो जाएंगे चौराहों पर राजनीतिक चर्चाएं आज से शुरू हो गई है देखते हैं अनारक्षित पद की आज खुली लॉटरी किसके भाग्य चम काती है संभावित वार्ड पार्षद भी अपने वार्डों की लॉटरी का इंतजार कर रहे हैं जो 17 अगस्त को घोषित होगी उसके बाद शहर की राजनीति की रफ्तार तेज हो जाएगी

जयपुर के युवा आर्किटेक्ट अभिषेक ब्याडवाल को बेंगलुरु में राष्ट्रीय सम्मान

एबी आर्किटेक्ट्स एंड प्लानर्स बनी 'फ्यूचरिस्टिक एंड क्रिएटिव आर्किटेक्चर एंड इंटीरियर डिजाइन फर्म ऑफ द ईयर-2026 - नॉर्थ इंडिया', अभिषेक ब्याडवाल को भी मिला व्यक्तिगत सम्मान

स्मार्ट हलचल

जयपुर/बेंगलुरु, जयपुर के युवा आर्किटेक्ट अभिषेक ब्याडवाल और उनकी फर्म एबी आर्किटेक्ट्स एंड प्लानर्स ने वास्तुकला एवं इंटीरियर डिजाइन के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। बेंगलुरु के प्रतिष्ठित ताज वेस्ट एंड में आयोजित नेशनल आर्किटेक्चर एंड इंटीरियर डिजाइन एक्सीलेंस अवॉर्ड्स एंड कॉन्फ्रेंस 2026 - ग्लोबल एडिशन में एबी आर्किटेक्ट्स एंड प्लानर्स को 'फ्यूचरिस्टिक एंड क्रिएटिव आर्किटेक्चर एंड इंटीरियर डिजाइन फर्म ऑफ द ईयर 2026 - नॉर्थ इंडिया' के प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया। यह सम्मान फर्म द्वारा रेजिडेंशियल एवं कमर्शियल प्रोजेक्ट्स में अपनाई जा रही रचनात्मक डिजाइन सोच, आधुनिक वास्तुकला और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए किए जा रहे नवाचारों के लिए प्रदान किया गया। उत्तर भारत की श्रेणी में फर्म को मिला यह सम्मान जयपुर के आर्किटेक्चर एवं डिजाइन क्षेत्र के लिए भी महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

फर्म को मिला सबसे बड़ा सम्मान

एबी आर्किटेक्ट्स एंड प्लानर्स के लिए यह अवॉर्ड इसलिए भी खास है क्योंकि 'फ्यूचरिस्टिक एंड क्रिएटिव आर्किटेक्चर एंड इंटीरियर डिजाइन फर्म ऑफ द ईयर-2026 - नॉर्थ इंडिया' के रूप में मिली राष्ट्रीय पहचान फर्म की पूरी टीम के रचनात्मक कार्य और डिजाइन विजन को सामने रखती है। जयपुर से संचालित फर्म ने रेजिडेंशियल और कमर्शियल प्रोजेक्ट्स में आधुनिक वास्तुकला, क्रिएटिव इंटीरियर डिजाइन और भविष्यपरक सोच को केंद्र में रखते हुए अपनी अलग पहचान बनाई है। राष्ट्रीय मंच पर फर्म को मिली यह पहचान जयपुर से निकलकर देश के डिजाइन क्षेत्र में अपनी जगह बनाने वाली नई पीढ़ी की आर्किटेक्चर फर्मों के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

अभिषेक ब्याडवाल को व्यक्तिगत सम्मान

फर्म के फाउंडर एवं प्रिंसिपल आर्किटेक्ट अभिषेक ब्याडवाल को भी वास्तुकला एवं डिजाइन के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए 'ट्रस्टेड एंड प्रॉमिसिंग आर्किटेक्ट एंड डिजाइनर ऑफ द ईयर 2026 - नॉर्थ इंडिया' के विशेष सम्मान से नवाजा गया। इस तरह एक ही राष्ट्रीय मंच पर फर्म और उसके फाउंडर को दो अलग-अलग श्रेणियों में सम्मान मिलना एबी आर्किटेक्ट्स एंड प्लानर्स के लिए दोहरी उपलब्धि बन गया है। जहां फर्म को भविष्यपरक एवं रचनात्मक वास्तुकला और इंटीरियर डिजाइन के लिए सम्मान मिला, वहीं अभिषेक ब्याडवाल को व्यक्तिगत स्तर पर उनकी प्रतिभा एवं योगदान के लिए पहचान मिली।

500 से अधिक विशेषज्ञ हुए शामिल

बेंगलुरु में आयोजित इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय कार्यक्रम में देशभर से 500 से अधिक आर्किटेक्ट्स, इंटीरियर डिजाइनर्स, रियल एस्टेट लीडर्स एवं एंटरप्रेन्योर्स ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में ब्यूरोक्रेट्स, ग्लोबल लीडर्स और विभिन्न कंपनियों के सीईओ सहित डिजाइन, आर्किटेक्चर एवं रियल एस्टेट क्षेत्र से जुड़ी कई प्रतिष्ठित हस्तियां मौजूद रहीं। ऐसे राष्ट्रीय एवं प्रतिष्ठित मंच पर एबी आर्किटेक्ट्स एंड प्लानर्स को 'फ्यूचरिस्टिक एंड क्रिएटिव आर्किटेक्चर एंड इंटीरियर डिजाइन फर्म ऑफ द ईयर' का सम्मान मिलना फर्म के लिए महत्वपूर्ण राष्ट्रीय उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

आधुनिक और भविष्यपरक डिजाइन पर फोकस

अभिषेक ब्याडवाल के नेतृत्व में एबी आर्किटेक्ट्स एंड प्लानर्स रेजिडेंशियल एवं कमर्शियल प्रोजेक्ट्स में आधुनिक वास्तुकला के साथ रचनात्मकता, उपयोगिता और भविष्य की जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए काम कर रही है। फर्म का फोकस ऐसे स्पेस तैयार करने पर है, जिनमें डिजाइन की विशिष्ट पहचान के साथ आधुनिक जरूरतों और उपयोगिता का संतुलन कायम रहे। जयपुर अपनी ऐतिहासिक वास्तुकला, विरासत और पारंपरिक स्थापत्य के लिए दुनियाभर में पहचान रखता है। ऐसे शहर से संचालित एक युवा आर्किटेक्चर फर्म का फ्यूचरिस्टिक और क्रिएटिव डिजाइन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित होना जयपुर के आधुनिक आर्किटेक्चर एवं डिजाइन परिदृश्य के लिए भी उल्लेखनीय उपलब्धि है।

IAS जुगल किशोर मीणा के बेटे हैं अभिषेक

उल्लेखनीय है कि आर्किटेक्ट अभिषेक ब्याडवाल वरिष्ठ आईएएस अधिकारी जुगल किशोर मीणा के बेटे हैं। अभिषेक ने प्रशासनिक क्षेत्र से अलग वास्तुकला एवं डिजाइन को अपना करियर चुना और इसी क्षेत्र में अपनी अलग पहचान स्थापित की है। बेंगलुरु के राष्ट्रीय मंच पर एबी आर्किटेक्ट्स एंड प्लानर्स को 'फ्यूचरिस्टिक एंड क्रिएटिव आर्किटेक्चर एंड इंटीरियर डिजाइन फर्म ऑफ द ईयर-2026 - नॉर्थ इंडिया' का प्रतिष्ठित सम्मान और अभिषेक ब्याडवाल को 'ट्रस्टेड एंड प्रॉमिसिंग आर्किटेक्ट एंड डिजाइनर ऑफ द ईयर-2026 - नॉर्थ इंडिया' का व्यक्तिगत सम्मान मिलना उनके साथ-साथ पूरी टीम के लिए बड़ी उपलब्धि है। जयपुर के युवा आर्किटेक्ट अभिषेक ब्याडवाल की यह दोहरी उपलब्धि राजस्थान की वास्तुकला और डिजाइन प्रतिभा को राष्ट्रीय मंच पर मिली नई पहचान के रूप में सामने आई है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के बयान पर आदिवासी समाज में रोष, पत्रिका गेट पर प्रदर्शन

जयपुर/भरत देवड़वाल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ द्वारा 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस को लेकर दिए गए बयान के विरोध में गुरुवार को जयपुर के पत्रिका गेट पर आदिवासी समाज ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व राजस्थान आदिवासी मीणा सेवा संघ (राज.) द्वारा किया गया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर 'मदन राठौड़ हाय हाय ', 'आदिवासियों का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान' और 'माफी मांगो मदन राठौड़' के नारे लगाए। आदिवासी समाज का कहना है कि मदन राठौड़ ने बीजेपी कार्यालय में आदिवासी दिवस की प्रासंगिकता पर सवाल उठाते हुए आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि आदिवासी समाज जल, जंगल, जमीन से जुड़ा है और आदिवासी दिवस उनकी संस्कृति का प्रतीक है। कांग्रेस सरकार द्वारा इसे राजकीय अवकाश घोषित किया गया था। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि मदन राठौड़ अपने पद से इस्तीफा दें और आदिवासी समाज से सार्वजनिक माफी मांगें।

राजकीय प्राथमिक विद्यालय रैगरों का सियालिया में पार्किंग स्थल का उद्घाटन

राजपुरा पालका, चित्तौड़गढ़ । राजकीय प्राथमिक विद्यालय रैगरों का सियालिया, पालका में आज विद्यालय परिसर में नवनिर्मित पार्किंग स्थल का उद्घाटन किया गया। पार्किंग स्थल का निर्माण एनएचआईटी वेस्टर्न प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सीएसआर मद के तहत करवाया गया है। उद्घाटन अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुरेन्द्र सिंह राजपूत ने विद्यालय के लिए पार्किंग स्थल का निर्माण करवाने पर एनएचआईटी वेस्टर्न प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि कम्पनी द्वारा विद्यालय के विकास के लिए किए गए इस कार्य से

विद्यार्थियों एवं विद्यालय स्टाफ को सुविधा मिलेगी।विद्यालय के अध्यापक अनुपम सिंह चौधरी ने बताया कि उद्घाटन समारोह में टोल प्लाजा मैनेजर धर्मेंद्र सिंह, हरी सिंह देवड़ा, कम्पनी के गणमान्य सदस्य, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सीता रेगर एवं संगीता रेगर सहित विद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर कम्पनी के प्रोजेक्ट मैनेजर मनीष श्रीवास्तव ने विद्यालय को आश्वस्त किया कि भविष्य में भी विद्यालय को किसी प्रकार की आवश्यकता होने पर कम्पनी द्वारा अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के तहत आवश्यक कार्य करवाने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा। विद्यालय परिवार ने एनएचआईटी वेस्टर्न प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के इस सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कम्पनी द्वारा सीएसआर मद के माध्यम से विद्यालय के विकास में दिया गया योगदान विद्यार्थियों के लिए उपयोगी एवं सराहनीय है।

मृत्यु के बाद भी आंखें देंगी रोशनी, शिक्षा मंत्री दिलावर ने लिया नेत्रदान का संकल्प

ईबीएसआर के नेत्रदान जागरूकता अभियान को मिला शिक्षा मंत्री दिलावर का समर्थन

स्मार्ट हलचल

कोटा। मृत्यु के बाद भी किसी की जिंदगी में रोशनी कायम रहे, इसी संकल्प के साथ विश्व अंगदान दिवस के अवसर पर 13 अगस्त को आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, कोटा चैप्टर (EBSR) के अभियान के दौरान राजस्थान सरकार के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने अंगदान जागरूकता पोस्टर का विमोचन किया और स्वयं नेत्रदान का संकल्प पत्र भरकर आमजन को नेत्रदान का संदेश दिया। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि नेत्रदान महज दान नहीं, बल्कि किसी व्यक्ति के जीवन से अंधकार दूर कर उसे नई रोशनी देने का महान संकल्प है। आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, कोटा चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. के.के. कंजोलिया एवं कोऑर्डिनेटर डॉ. सुरेश पाण्डेय ने बताया कि विश्व अंगदान दिवस पर वर्ष 2026 की थीम 'अंगदान के माध्यम से भय से आशा

की ओर बढ़ना' रखी गई है। उन्होंने बताया कि एक मृतक अंगदाता हृदय, फेफड़े, लिवर, दोनों किडनी, अग्न्याशय और आंत जैसे महत्वपूर्ण अंग दान कर कई जरूरतमंद मरीजों को जीवनदान दे सकता है। वहीं कॉर्निया, त्वचा, हड्डी और हृदय वाल्व जैसे ऊतक भी अनेक लोगों के जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने बताया कि 25 अगस्त से 8 सितम्बर तक राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा आयोजित किया जाएगा। इस दौरान आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान की ओर से नेत्रदान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इस अवसर पर आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, कोटा चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. के.के. कंजोलिया, कोऑर्डिनेटर डॉ. सुरेश पाण्डेय, एग्जीक्यूटिव मेंबर डॉ. अमित सिंह राठौड़, कोटा आयुर्वेदिक महाविद्यालय के प्राचार्य वैद्य नित्यानंद शर्मा, आई टेक्नीशियन टिंकू ओझा सहित कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

यमन में भारतीय दूतावास का सफल ऑपरेशन, 12 नाविकों की वतन वापसी

स्मार्ट हलचल

अदन/रियाद। युद्धग्रस्त यमन से एक बेहद राहत भरी और बड़ी खबर सामने आई है। भारतीय विदेश मंत्रालय और खाड़ी क्षेत्र में स्थित भारतीय दूतावासों के कूटनीतिक समन्वय से यमन में फंसे 'एमएसवी फ़ैज़ नूर ओलिया' जहाज़ के 12 भारतीय क्रू सदस्यों को सफलतापूर्वक सुरक्षित निकाल लिया गया है। संकट के बीच फंसे भारतीय नागरिकों को यमन के अदन इंटरनेशनल एयरपोर्ट से भारत के लिए सुरक्षित रवाना कर दिया गया है। यमन में भारतीय दूतावास (रियाद स्थित भारतीय दूतावास द्वारा संचालित) ने 'एक्स' पर लिखा यमन के अधिकारियों के साथ मिलकर, भारत के दूतावास ने एमएसवी फ़ैज़ नूर ओलिया के 12 क्रू सदस्यों को सफलतापूर्वक वापस लाने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। क्रू सदस्य आज सुबह अदन एयरपोर्ट से भारत के लिए रवाना हो गए। हम सहयोग के लिए यमन के अधिकारियों का धन्यवाद करते हैं और क्रू सदस्यों की भारत वापसी की यात्रा सुरक्षित और आरामदायक हो, इसकी कामना करते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार भारत के झंडे वाला यह व्यावसायिक जहाज़ हाल ही में यमन के तट के पास एक हमले की चपेट में आ गया था। जहाज़ पर हमले की सूचना मिलते ही नई दिल्ली में भारतीय विदेश मंत्रालय और सऊदी अरब की राजधानी रियाद स्थित भारतीय दूतावास तुरंत अलर्ट मोड पर आ गए थे। जहाज़ पर मौजूद तमाम भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर सरकार बेहद गंभीर थी और

रियाद स्थित भारतीय दूतावास लगातार इस पूरी स्थिति, क्रू सदस्यों की सुरक्षा और उनकी तत्काल वापसी से जुड़ी स्थिति पर बेहद बारीकी से नज़र रख रहा था। यमन में सुरक्षा की कठिन परिस्थितियों के बावजूद भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने यमन प्रशासन के साथ उच्च स्तरीय कूटनीतिक तालमेल बैठाया, जिससे यह जटिल रेस्क्यू ऑपरेशन सफल हुआ। हमले का शिकार हुए जहाज़ से सभी क्रू सदस्यों को न सिर्फ सुरक्षित निकाला गया, बल्कि अदन में उनके ठहरने, खाने-पीने और यात्रा से जुड़े सभी दस्तावेज़ों को भी तेजी से पूरा कराया गया। वतन वापसी की उड़ान भरते समय सभी क्रू सदस्यों ने भारत सरकार और दूतावास के अधिकारियों का तहे दिल से आभार जताया। यह सफल ऑपरेशन एक बार फिर साबित करता है कि दुनिया के किसी भी कोने में यदि कोई भारतीय नागरिक संकट में फंसता है, तो भारत की 'संकटमोचक' कूटनीति पूरी ताकत के साथ सक्रिय हो जाती है।

आंजना के निर्देश पर निंबाहेड़ा ब्लॉक कांग्रेस का संगठनात्मक विस्तार, 44 ग्राम पंचायत अध्यक्ष घोषित

कांग्रेस की रीति-नीति को गांव-गांव तक पहुंचाने और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में अहम पहल

स्मार्ट हलचल

निंबाहेड़ा, ज़ाकिर हुसैन राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा एवं पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना के निर्देशानुसार निंबाहेड़ा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा संगठनात्मक विस्तार करते हुए क्षेत्र की 44 ग्राम पंचायतों में अध्यक्षों की घोषणा की गई है। संगठन विस्तार के तहत नवनियुक्त ग्राम पंचायत अध्यक्षों को कांग्रेस संगठन को गांव-गांव एवं जन-जन तक मजबूत बनाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संपतलाल धाकड़, कार्यकारी अध्यक्ष भोपराज टांक एवं संगठन महासचिव शंभूलाल कुमावत ने सभी नवनियुक्त ग्राम पंचायत अध्यक्षों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि वे पार्टी संगठन को मजबूत करने के साथ ही अपने-अपने क्षेत्रों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को सक्रिय एवं संगठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की ओर से कहा गया कि संगठन का वास्तविक आधार गांव और बूथ स्तर का कार्यकर्ता है। नवनियुक्त ग्राम पंचायत अध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय स्थापित कर कांग्रेस की विचारधारा, नीतियों एवं कार्यक्रमों को आमजन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। साथ ही ग्रामीण क्षेत्र की जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए आमजन के साथ निरंतर संवाद कायम करेंगे। नवनियुक्त अध्यक्षों से अपेक्षा की गई कि वे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी की नीतियों एवं जनहित के मुद्दों को मजबूती से आगे बढ़ाते हुए संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाएंगे।

44 ग्राम पंचायतों में इन्हें मिली जिम्मेदारी

बाड़ी फूलचंद तेली,नरसिंहगढ़ रामनिवास धाकड़,कदमाली लालचंद गायरी,मरजीवी अनिल आंजना,कोटड़ी कला मुकेश सेन,डला किशनपुरा चम्पालाल धाकड़,गुड़ाखेड़ा सुरेश दास,ढोरिया उदयलाल कुमावत,भगवानपुरा भैरूलाल धाकड़,बिनोता यशवंत सेन,मल्ला चारण प्रभुदान चारण,मिन्नाना रघुवीर सिंह शकावत,जावदा किशनलाल धाकड़,धीनवा सत्यनारायण शर्मा,मंडावली भरत धाकड़,जलिया भैरूलाल पटेल,बांगेड़ा मामादेव विकास धाकड़,बरड़ा भैरूलाल गुर्जर,गादोला केसरीमल मीणा,केली कोमल कच्छावा,कनेरा राजेश भंगुरा,बड़ावली शांतिलाल सुथार,सरसी मुकेश गुलगामा,निम्बोदा लक्ष्मण चारण,बांगेड़ा घाटा नरेंद्र रेगर,मेलाना लाभचंद मेघवाल,लूणखंदा भरत धाकड़,श्रीपुरा मांगीलाल गुर्जर,लसड़ावन भगवतीलाल गायरी,बड़ोली माधोसिंह उदयलाल धाकड़,फलवा रतनलाल गायरी,कारूंडा शंकरलाल जटिया,फाचर अहिरान देवीलाल मेनारिया,बांसा लच्छीराम डांगी,भावलिया मुकेश मेनारिया,अरनिया जोशी चतुर्भुज मीणा,बड़ोली घाटा संजय जाट,अरनोदा योगेश पाटीदार,चरलीया मेवासां गोपीलाल रेबारी,टाई बगदीराम धाकड़,भुजियाखेड़ी घनश्याम सिंह राणावत,उखलिया कैलाश गायरी,मांगरोल राम सिंह जा एवं सतखंडा में प्रकाश डांगी को ग्राम पंचायत का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

संगठन को नई मजबूती मिलने की उम्मीद

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पदाधिकारियों ने कहा कि ग्राम पंचायत अध्यक्षों की नियुक्ति से निंबाहेड़ा क्षेत्र में कांग्रेस संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी। सभी अध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्रों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए संगठनात्मक गतिविधियों को गति देंगे तथा पार्टी के कार्यक्रमों को प्रभावी रूप से संचालित करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संगठन को बूथ से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक मजबूत करने तथा आमजन के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने के लिए कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर सक्रिय भूमिका निभानी होगी। नवनियुक्त अध्यक्षों के माध्यम से संगठन और आमजन के बीच संवाद को और मजबूत किया जाएगा।

15 उपवास की कठिन तपस्या पूर्ण कर भूमिका वीरवाल जैन ने बढ़ाया समाज का गौरव

पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने शॉल ओढ़ाकर एवं श्रीफल भेंट कर किया बहुमान,दी बधाई एवं शुभकामनाएं

स्मार्ट हलचल

निंबाहेड़ा, (ज़ाकिर हुसैन) आदर्श कॉलोनी स्थित दिवाकर भवन में गुरुवार को जैन समाज की पावन धार्मिक परंपरा, तप, त्याग एवं संयम की भावना को साकार करते हुए भूमिका जैन वीरवाल ने 15 उपवास की कठिन तपस्या पूर्ण की। इस अवसर पर राजस्थान सरकार के पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने दिवाकर भवन पहुंचकर तपस्वी भूमिका वीरवाल जैन का शॉल ओढ़ाकर एवं श्रीफल भेंट कर बहुमान किया तथा 15 उपवास की तपस्या पूर्ण करने पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। पूर्व मंत्री आंजना ने कहा कि जैन धर्म में तपस्या केवल उपवास नहीं, बल्कि आत्मसंयम, त्याग, साधना, आत्मशुद्धि एवं आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग है। 15 उपवास जैसी कठिन तपस्या को दृढ़ संकल्प एवं श्रद्धा के साथ पूर्ण करना निश्चित रूप से गौरव एवं प्रेरणा का विषय है। उन्होंने भूमिका जैन की तपस्या की सराहना करते हुए उनके निरंतर आध्यात्मिक उत्थान, सुख-समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की।

तप,त्याग और संयम की प्रेरणादायी साधना

भूमिका वीरवाल जैन की इस कठिन तपस्या ने समाज में धर्म, संयम, आत्मबल एवं तप की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने का संदेश दिया। समाजजनों ने भी तपस्वी भूमिका जैन को तपस्या पूर्ण होने पर शुभकामनाएं देते हुए उनके प्रति मंगलभाव व्यक्त किया। इस अवसर पर मोहनलाल,सुशील कुमार एवं अजीत कुमार वीरवाल जैन सहित परिवार के सदस्य एवं समाज के गणमान्यजन उपस्थित रहे। बहुमान कार्यक्रम में निंबाहेड़ा नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बंशीलाल राइवाल, जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष गोपाल आंजना, नगर कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव रविप्रकाश सोनी, आशुतोष टांक एवं कांग्रेस कार्यालय प्रभारी ज़ाकिर हुसैन उपस्थित रहे।

आयम्बिल तप की आराधना के साथ मनाई आचार्य सम्राट आनन्द ऋषि जी मसा की 127 वीं जन्म जयन्ति

स्मार्ट हलचल

ओम जैन शंभूपुरा। शंभूपुरा। जैन सिद्धान्ताचार्य पूज्य साध्वी श्री प्रतिभा श्री जी मासा. आदि ठाणा 4 की प्रेरणा से श्रमण संघ के द्वितीय पट्टधर राष्ट्र संत आचार्य सम्राटपुज्य गुरुदेव आनन्द ऋषि जी मसा की 127 वीं जन्म जयन्ति आयम्बिल तप की आराधना के साथ मनाई गई। इस अवसर पर करीब 60 अम्बिल हुए जिसका लाभ ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस नई दिल्ली राजस्थान प्रान्तीय महिला कोषाध्यक्ष अंगुर बाल भड़कतिया ने लिया। शाखा की प्रान्तीय मंत्री सरोज नाहर, राष्ट्रीय प्रचार प्रसार मंत्री विनिता लोढ़ा, योजना मंत्री सुमन चिपड़, भावना कोठारी, नगीना मेहता, दिलखुश खैरोदिया, पायल गिलुण्डिया, मिनाक्षी मेहता रेखा जारौली, संगीता चिपड़ आदि बहने उपस्थित थी। गुरुवार को शांतिभवन में आयोजित प्रवचन के दौरान गुणानुवाद में श्री के एम भड़क्तिया, श्री आर एल मारू, चित्तौड़ श्रमण संघ अध्यक्ष किरण डांगी ने गुणानुवाद पर भाव एवं जैन दिवाकर महिला परिषद चित्तौड़गढ़ की महिलाओं ने गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाएं मौजूद रहे।

पाँच सूत्रीय मांग को लेकर डीएनसी को सौंपा पत्र

स्मार्ट हलचल

भादसोड़ा - केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो राजस्थान, कोटा के उप नारकोटिक्स आयुक्त (डीएनसी) नरेश बुंदेल, सहायक उप नारकोटिक्स आयुक्त (एडीएनसी) जबर सिंह राजपुरोहित, अधीक्षक जगदीश मावल, डीओओ बीएन मीणा का भादसोड़ा सरपंच डॉ. शम्भू सुथार ने भगवान सांवलिया सेठ का महाप्रसाद एवं उपरना भेंट कर स्वागत किया। गुरुवार को चित्तौड़गढ़ में नारकोटिक्स विभाग द्वारा आयोजित जनसुनवाई शिविर में डॉ. सुथार ने किसान हित में डीएनसी बुंदेल को पत्र सौंपा, जिसमें अफीम किसानों को मार्फिन परिणाम में पारदर्शिता एवं पुनः परीक्षण की सुविधा देने, अफ़ीम खरीद मूल्य बढ़ाने, अफ़ीम काश्त की दो प्लॉट में अनुमति देने, सीपीएस पद्धति को समाप्त कर ग़म पद्धति में लाइसेंस जारी करने, सन 1998 से विभिन्न कारणों से कट्टे हुए पट्टे बहाल करने इत्यादि पाँच सूत्रीय मांग की गई। डॉ. सुथार के साथ ज्ञापन पत्र सौंपने के दौरान रामचंद्र, राधे सुथार, मांगीलाल जाट, प्रेमशंकर नपानिया आदि मौजूद थे।

गंगा घाटी शिव धाम पहुंचे हजारों शिवभक्त, पांच क्विंटल शक्कर के मालपुए का भोग लगाया

स्मार्ट हलचल

ओम जैन शंभूपुरा। निम्बाहेड़ा उपखण्ड के टाई ग्राम पंचायत में स्थित गंगा घाटी शिव धाम में हरियाली अमावस्या के अवसर पर हजारों की संख्या में शिवभक्त पहुंचे। प्रशासक प्रहलाद गुर्जर ओर गोवर्धन गुर्जर ने जानकारी देते हुए बताया कि गंगा घाटी शिव धाम में हर वर्ष कि भांति इस वर्ष भी बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में शिवभक्त भोलेनाथ के जयकारे लगाते हुए कतारों में खड़े नजर आए। इस दौरान महादेव की महाप्रसादी हुई जिसमें हजारों श्रदालुओ ने भाग लिया। महाप्रसादी में पांच क्विंटल शक्कर के मालपुए का भोग लगा कर श्रद्धालुओं में वितरित किया।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत आयोजित प्रदर्शनी का किया अवलोकन

टीएडी मंत्री ने डूंगरपुर में पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जयपुर(नि.सं.)। टीएडी मंत्री एवं डूंगरपुर जिला प्रभारी मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने हरियालो राजस्थान अभियान के तहत पंचायत समिति दोवड़ा की ग्राम पंचायत दोवड़ा में जिला स्तरीय वन महोत्सव में की शिरकत एवं हर घर तिरंगा अभियान के तहत दो दिवसीय आयोजित जिला स्तरीय प्रदर्शनी का किया अवलोकन। जिला स्तरीय वन महोत्सव में डूंगरपुर प्रभारी मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। पर्यावरण के बिना मानव जीवन की कल्पना संभव नहीं है। उन्होंने वृक्षों के संरक्षण के साथ ही अधिकाधिक पौधारोपण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। वृक्षों से हमें प्राणवायु (ऑक्सीजन), लकड़ी, औषधियां सहित अनेक आवश्यक संसाधन प्राप्त होते हैं। जिला प्रभारी मंत्री श्री खराड़ी ने कहा कि राज्य सरकार आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। पंच गौरव योजना के तहत जिले में विभिन्न विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वीबी जी-रामजी योजना के तहत करवाए जाने वाले कार्यों का समय पर ऑनलाइन भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा तथा योजना के अंतर्गत होने वाले विभिन्न कार्यों में पारदर्शिता आएगी। डूंगरपुर जिला कलक्टर देशलदान ने प्रकृति संरक्षण के महत्व एवं उद्देश्य की जानकारी देते हुए कहा कि संपूर्ण प्रदेश में व्यापक स्तर पर पौधारोपण किया जा रहा है। इस दौरान वन संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वन मित्र को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया।

मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास की पहल को राष्ट्रीय स्तर पर मिली सराहना

मिशन कर्मयोगी के तहत राजस्थान के 'कर्मयोगी कर्तव्य कार्यक्रम' को कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन ने सराहा

70 अधिकारियों ने किया सुशासन और नागरिक केन्द्रित प्रशासन पर मंथन

जयपुर(नि.सं.)। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास की पहल पर मिशन कर्मयोगी के तहत राजस्थान में वरिष्ठ अधिकारियों की क्षमता संवर्धन और नागरिक केन्द्रित शासन को सुदृढ़ करने के लिए किए जा रहे प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है। कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन ने राजस्थान में आयोजित 'कर्मयोगी कर्तव्य कार्यक्रम' की सराहना करते हुए मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास की पहल और नेतृत्व की प्रशंसा की है।

कमीशन ने वरिष्ठ अधिकारियों के लिए इस तरह की पहल करने वाले राज्यों में राजस्थान को अग्रणी बताया है। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास की पहल पर कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन के सहयोग से एचसीएम रीपा में 10 अगस्त को 'कर्मयोगी कर्तव्य कार्यक्रम' के वरिष्ठ अधिकारी संस्करण का आयोजन किया गया। दो बैच में आयोजित इस कार्यक्रम में राज्य सरकार के 70 वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रशासन में उद्देश्य और मूल्यों की भूमिका, नागरिक केन्द्रित शासन तथा लोक सेवा को अधिक प्रभावी बनाने के विभिन्न पहलुओं पर मंथन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने बदलती प्रशासनिक आवश्यकताओं के अनुरूप क्षमता संवर्धन, बेहतर सेवा प्रदायगी और नागरिकों की अपेक्षाओं के प्रति संवेदनशील प्रशासन विकसित करने पर विचार-विमर्श किया। मिशन कर्मयोगी की भावना के अनुरूप अधिकारियों में कर्तव्यबोध, उत्तरदायित्व और नागरिक केन्द्रित दृष्टिकोण को और सुदृढ़ करने पर जोर दिया गया। कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन ने मुख्य सचिव की पूरे कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता की विशेष रूप से सराहना की। कमीशन ने इसे 'उदाहरण प्रस्तुत करने वाला नेतृत्व' बताते हुए कहा कि राज्य का शीर्ष प्रशासनिक नेतृत्व स्वयं उद्देश्य, मूल्यों और नागरिक केन्द्रित शासन पर चिंतन के लिए समय दे रहा है तथा वरिष्ठ अधिकारियों को भी इसी दृष्टिकोण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित कर रहा है। कमीशन ने राजस्थान की इस पहल को क्षमता निर्माण की वास्तविक भावना का उदाहरण बताया।

कमीशन के अनुसार, ऐसे प्रयास 'विकसित भारत' की परिकल्पना के अनुरूप भविष्य की आवश्यकताओं के लिए सक्षम, जवाबदेह और नागरिक केन्द्रित सिविल सेवा के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। मिशन कर्मयोगी के उद्देश्यों को आगे बढ़ाते हुए राजस्थान में वरिष्ठ अधिकारियों के स्तर पर आयोजित यह कार्यक्रम प्रशासनिक नेतृत्व को सुदृढ़ करने, लोक सेवा में उत्तरदायित्व बढ़ाने तथा नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने युवाओं से किया संवाद

चिन्तन, मनन, विवेचन और विश्लेषण से अपना मत तय करने का किया आह्वान

जयपुर(नि.सं.)। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने विद्यार्थियों के साथ संवाद के दौरान कहा कि युवा मतदाता लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। युवाओं में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें अपने मताधिकार के महत्व से परिचित कराना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि युवा अपने आसपास के लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित कर जन-जागरूकता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। सिंह राजकीय महाविद्यालय, जयपुर में बुधवार को आयोजित युवा मतदाता संवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश के निर्माण में महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव अंबेडकर, सरदार पटेल, जवाहरलाल नेहरू और मौलाना आजाद सहित अनेक महान व्यक्तित्वों का योगदान रहा है। आज के युवाओं को उनके विचारों और देश के प्रति योगदान से प्रेरणा लेकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे वर्तमान सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियों को समझें तथा किसी भी विषय पर अपना मत बनाने से पहले तथ्यात्मक जानकारी का अध्ययन करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में अध्ययन और विश्लेषण की आदत विकसित होना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से चिन्तन, मनन, विवेचन और विश्लेषण से अपना मत तय करने का आह्वान किया। निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि युवा मतदाताओं के आवश्यक रूप से अपना मतदाता पहचान-पत्र बनवाना चाहिये और आगामी चुनावों में अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिये।

न्यूज ब्रीफ

विद्यार्थियों ने बिजली बिल कम करने के उपाय जाने, अब घर और स्कूल का बिल करेंगे कम

जयपुर(नि.सं.)। कल के नागरिक आज विद्युत बचत एवं ऊर्जा दक्षता को अपनी आदत बनाएं, इस सोच के साथ अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड ने अजमेर शहर के आदर्श विद्या निकेतन, मदार में विशेष जागरूकता गतिविधि आयोजित की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के बिजली बचाने की जानकारी दी गई। बच्चों ने ÷मास्टर ट्रेनर÷ और एनर्जी ऑडिटर÷ बनकर विद्यालय के कमरों का वास्तविक पावर ऑडिट किया। ऊर्जा प्रबंधक श्री पी.सी. तिवारी, अधिशासी अभियंता श्री मोहन सिंह और कनिष्ठ अभियंता श्रीमती पारुल शाक्य ने विद्यार्थियों को ऊर्जा बचत, ऊर्जा दक्षता एवं विद्युत सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। गतिविधि के दौरान 15 विद्यार्थियों की तीन टीमों का गठन किया गया। प्रत्येक टीम को एनर्जी ऑडिट शीट दी गई ।

भामाशाहों के सहयोग से 22 विद्यालयों में 34 करोड़ रुपये के विकास कार्यों को मंजूरी

- **नवीन विद्यालय भवन, मेजर मरम्मत एवं सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापना के प्रस्तावों को मिली स्वीकृति**
- **शिक्षा के क्षेत्र में जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए भामाशाहों का महत्वपूर्ण योगदान**

जयपुर(नि.सं.)। अतिरिक्त मुख्य सचिव स्कूल शिक्षा श्री राजेश कुमार यादव के निर्देशानुसार शिक्षा संकुल में गुरुवार को ज्ञान संकल्प पोर्टल पर भामाशाहों द्वारा विद्यालयों में विकास कार्यों के लिए प्रस्तुत प्रस्तावों की संवीक्षा हेतु राज्य स्तरीय संवीक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। राज्य परियोजना निदेशक एवं समन्वयक डॉ. रश्मि शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में अब तक प्राप्त सभी प्रस्तावों की विस्तृत संवीक्षा की गई। बैठक में 22 विद्यालयों के लिए कुल 34 करोड़ रुपये की राशि के विकास कार्यों के प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया।

राज्य में '2047 तक सभी के लिए बीमा' के लिए तैयारियां शुरू

रोडमैप के बारे में मुख्य सचिव और आईआरडीएआई चैयरमैन के बीच हुई चर्चा

जयपुर। '2047 तक सभी के लिए बीमा' का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए राज्य में प्रशासनिक तंत्र ने तैयारियां शुरू कर दी है। इस सम्बंध में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास और भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण चैयरमैन अजय सेठ के बीच शासन सचिवालय में महत्वपूर्ण बैठक हुई और इस लक्ष्य को प्राप्त करने की रणनीति पर मंथन हुआ।

व्हाइट हाउस

ट्रम्प की वफादार कैरोलिन लेविट ने नौकरी छोड़ीः पत्रकारों पर तंज के लिए मशहूर थीं

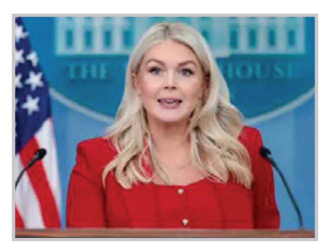

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में गिनी जाने वाली व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। 28 साल की लेविट इस महीने के आखिर में व्हाइट हाउस छोड़ देंगी। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि लेविट अब अपने परिवार और दो छोटे बच्चों को ज्यादा समय देना चाहती हैं। हालांकि, वह ट्रम्प की बाहरी सलाहकार बनी रहेंगी और रिपब्लिकन पार्टी के लिए काम करती रहेंगी। लेविट 27 साल की उम्र में अमेरिका के इतिहास की सबसे कम उम्र की व्हाइट हाउस प्रेस सचिव बनी थीं। मई में बेटी के जन्म के बाद वह कुछ समय के मातृत्व अवकाश पर गई थीं और कुछ दिन पहले काम पर लौटी थीं। उनका एक दो साल का बेटा भी है।

डिलीवरी से ठीक पहले भी ड्यूटी निभाई

अप्रैल 2026 में जब व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान हुई गोलीबारी पर पूरी दुनिया की नजर थी, तब कैरोलिन लेविट ने अपना मातृत्व अवकाश शुरू करने के बजाय खुद कैमरे के सामने आकर ट्रम्प प्रशासन की पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया दी। इसके बाद ही वह मातृत्व अवकाश पर गईं। मई 2026 में बेटी के जन्म के बाद करीब दो महीने छुट्टी पर रहीं, जुलाई में काम पर लौटीं और एक महीने बाद इस्तीफे का ऐलान कर दिया।

शिक्षा के क्षेत्र में विकास कार्यों, नवाचारों एवं भावी कार्ययोजना पर हुआ मंथन

नवाचारों, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों के कौशल एवं भावनात्मक विकास को मिले प्राथमिकताः एसीएस

एआई, डिजिटल तकनीक से स्मार्ट शिक्षा और मॉडल स्कूलों से सशक्त होगी राजस्थान की शिक्षा व्यवस्था

जयपुर(नि.सं.)। राजेश कुमार यादव ने जयपुर में पीरामल फाउंडेशन ग्रुप के चेयरमैन अजय पीरामल, सीईओ आदित्य नटराज, मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के चेयरमैन एवं सह-संस्थापक श्री रामदेव अग्रवाल के साथ बैठक कर राजस्थान में शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यों, नवाचारों, मॉडल विद्यालयों के विकास करने एवं भावी कार्ययोजना को लेकर चर्चा की। यादव ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ कौशल, रोजगारपरक प्रशिक्षण एवं बेहतर मानसिक स्वास्थ्य का वातावरण उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। बैठक में श्री यादव ने प्रदेश में संचालित विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं, सरकारी विद्यालयों एवं शिक्षा कार्मिकों से संबंधित जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 649 पीएमश्री विद्यालयों की तर्ज पर सीएम राइज में 400 विद्यालयों को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इन विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ नवाचारों को बढ़ावा देते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने शिक्षा सेतु कार्यक्रम की जानकारी देते हुए इसके माध्यम से विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं एवं विद्यालयी व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला।

व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास पर जोर

एसीएस ने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए आवश्यक कौशल प्रदान किए जाएं। उन्होंने विद्यालयों में संचालित व्यावसायिक एवं कौशल आधारित पाठ्यक्रमों का विस्तार करने तथा दूरस्थ एवं छोटे गांवों के विद्यालयों तक इनका लाभ पहुंचाने की आवश्यकता बताई।

मेंटल हेल्थ, ड्रॉपआउट एवं फाइनेंशियल लिटरेसी पर चर्चा

बैठक में विद्यार्थियों एवं युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य के लिए संस्थागत स्तर पर कार्यक्रम संचालित करने, ड्रॉपआउट रोकने, नियमित उपस्थिति बढ़ाने तथा कमजोर विद्यार्थियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने पर भी विचार-विमर्श हुआ।

अमेरकिी खुफिया जानकारी को अराघची ने बताया फर्जी, बोले-पहले गलती की तो शुरू हुआ युद्ध

नई दिल्ली/ईरान । ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने एक बार फिर अमेरिका प्रशासन पर निशाना साधते हुए अमेरिका की खुफिया जानकारी पर सवाल खड़े किए। मौजूदा हालातों के लिए अराघची ने अमेरिका की खुफिया जानकारी की गलतियों को जिम्मेदार ठहराया। अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में लिखा, अमेरिका लंबे समय से खुफिया जानकारी से जुड़ी गलतियों के कारण गलत आकलन करता रहा है। इसका एक उदाहरण ईरान के खिलाफ युद्ध है। अब होर्मुज स्ट्रेट को लेकर उससे भी बड़ी गलत गणना की जा रही है। फर्जी खबरों से भी ज्यादा खतरनाक चीज फर्जी खुफिया जानकारी होती है। सावधान रहें। अल्लाह महान है, और धरती की किसी भी ताकत से बड़ा है।

भरत भूषण तिवारी के परिवार को आर्थिक सहायता और एक परिजन को नौकरी देगी सरकारः सीएम सम्राट चौधरी

पटना । बिहार के बहुचर्चित भरत भूषण तिवारी के कथित पुलिस मुठभेड़ से हुई मौत मामले में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार को बड़ा ऐलान किया। उन्होने दिवंगत भरत भूषण तिवारी के परिवार को आर्थिक सहायता और एक परिजन को नौकरी देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि न्यायिक जांच की अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर बिहार सरकार दिवंगत भरत भूषण तिवारी के परिवार को आर्थिक सहायता देगी और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया मंच के जरिए साझा की। यह मामला 17 जून की सुबह भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव में हुई पुलिस मुठभेड़ से जुड़ा है।

जयपुर-पूर्व जिला जज से 8 दिन में ठगे 2.50 करोड़: गिरफ्तारी की धमकी देकर वॉट्सएप से फंसाया

जयपुर। जयपुर में हवाला लेनदेन में गिरफ्तारी का डर दिखाकर 90 साल के पूर्व जिला जज से 2 करोड़ 50 लाख 51 हजार रुपए ठग लिया। साइबर ठगों ने खुद को सीबीआई अधिकारी और आरबीआई मैनेजर बताकर करीब 15 दिन डिजिटल अरेस्ट रखा। इस दौरान 8 दिन (3 से 10 अगस्त) में अलग-अलग बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर करवा लिए। हालांकि एसबीआई के मैनेजर की सतर्कता से पीपीएफ खाते से होने वाला बड़ा ट्रांजैक्शन रुक गया और पूरे साइबर फ्रॉड का खुलासा हुआ। इसके बाद बुधवार शाम को ज्योति नगर थाने में स्नढ्ढक्र दर्ज करवाई गई।

वॉट्सएप वीडियो कॉल से शुरू हुआ डिजिटल अरेस्ट का खेल

पूर्व जज के भांजे रविन्द्र सिंह मोहनोत ने रिपोर्ट दी है। इसके अनुसार, सी-54, लालकोठी स्कीम निवासी गणपत सिंह भण्डारी (90) को 28 जुलाई को मोबाइल नंबर 8279809644 से वॉट्सएप पर वीडियो कॉल आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने पुलिस अधिकारी की वर्दी पहन रखी थी। खुद को मुंबई सीबीआई का अधिकारी बताया। उसने कहा कि मुंबई में 50 करोड़ रुपए के हवाला लेनदेन का खुलासा हुआ है। इसमें से 40 लाख रुपए तुम्हारे एसबीआई खाते में आए हैं।

यदि जांच में सहयोग नहीं किया तो तुमको गिरफ्तार कर मुंबई ले जाएंगे। साथ ही परिवार के किसी सदस्य को भी घटना की जानकारी नहीं देने की चेतावनी दी।

181 कॉल सेंटर का निरीक्षण | **राजस्थान संपर्क 181 कॉल सेंटर का किया निरीक्षण**

परिवहन एवं रोडवेज से संबंधित परिवादों के निस्तारण की अधिकारीवार, जिलावार एवं विषयवार की समीक्षा

जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों के त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण तथा राजस्थान संपर्क 181 व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा कॉल सेंटर का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को परिवहन विभाग के आयुक्त एवं राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक श्री पुरुषोत्तम शर्मा ने शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क 181 कॉल सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने परिवहन विभाग एवं राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम से संबंधित राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज परिवादों की विस्तृत समीक्षा की तथा लंबित प्रकरणों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान श्री शर्मा ने राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज परिवहन एवं राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम से संबंधित परिवादों की स्थिति की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने जानकारी दी कि राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम से संबंधित 26 हजार 819 परिवाद दर्ज हुए, जिनमें से 26 हजार123 का निस्तारण किया जा चुका है। इसी प्रकार परिवहन विभाग से संबंधित 15 हजार 230 परिवाद दर्ज हुए, जिनमें से 14 हजार 652 का निस्तारण किया गया तथा 578 परिवाद लंबित हैं। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिवादों के निस्तारण में और अधिक गति लाते हुए निस्तारण की स्थिति राज्य के औसत से बेहतर करने के लिए ठोस कार्ययोजना के साथ कार्य किया जाए। उन्होंने औसत निस्तारण समय में लगातार सुधार लाने तथा लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने परिवहन विभाग एवं आरएसआरटीसी में अधिकारीवार लंबित परिवादों की समीक्षा की। उन्होंने अधिक समय से लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सेमिनार आयोजित | ब्रिक्स देशों की अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास के प्रमुख इंजन

बड़े पैमाने पर निजी पूंजी जुटाने में ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाओं के समक्ष एक जैसी संरचनात्मक चुनौतियां:वित्त मंत्री सीतारमन

जयपुर(नि.सं.)। केन्द्रीय वित्त तथा कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमन ने जयपुर में हो रही ब्रिक्स के सदस्य देशों के वित्त मंत्रियों एवं केन्द्रीय बैंक के गवर्नरों (एफएमसीबीजी) की बैठक के दौरान बुधवार को द रोल ऑफ द न्यू डेवलपमेंट बैंक इन मोबिलाइजिंग प्राइवेट कैपिटल इन मेंबर कंट्रीज विषय पर आयोजित सेमिनार में मुख्य भाषण दिया।

सुश्री डिल्मा रूसेफ ने भी विशेष संबोधन दिया। इस सेमिनार में आर्थिक कार्य विभाग (डीईए) की सचिव सुश्री अनुराधा ठाकुर और फिक्की के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट श्री विजय शंकर भी शामिल हुए।

केन्द्रीय वित्त मंत्री ने निवेश के जोखिम को कम करने, परियोजना को बैंक के लिए आकर्षक बनाने और निवेशकों का भरोसा बढ़ाने में बहुपक्षीय विकास बैंकों की अहम भूमिका पर जोर दिया ताकि बड़े पैमाने पर निजी पूंजी जुटाई जा सके। भारत के अनुभव के बारे में बात करते हुए, श्रीमती सीतारमन ने कहा कि भारत सरकार ने निरंतर सार्वजनिक पूंजीगत व्यय और उससे जुड़े संरचनात्मक सुधारों के जरिए अपने अवसंरचना इकोसिस्टम को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि एक दशक पहले की तुलना में सार्वजनिक निवेश में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है, जो राजमार्गों, रेलवे, बंदरगाहों, लॉजिस्टिक्स प्रणालियों, डिजिटल अवसंरचना और ऊर्जा नेटवर्कों में उत्पादक राष्ट्रीय परिसंपत्तियां बनाने की एक सोची-समझी रणनीति को दर्शाता है।

सीतारमन ने कहा कि भारत सरकार का मानना है कि सार्वजनिक पूंजी को निजी निवेश का विकल्प नहीं बल्कि उसके उत्प्रेरक के तौर पर कार्य करना चाहिए। इसी सिद्धांत के समर्थन में भारत सरकार ने विभिन्न सुधार किए हैं

आर्थिक रूप से सीमित लेकिन सामाजिक रूप से वांछनीय परियोजनाओं को समर्थन प्रदान करने हेतु व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण [वायबिलिटी गैप फंडिंग]

सड़क बुनियादी ढांचे में जोखिम को संतुलित रूप से बांटने हेतु हाइब्रिड एन्युइटी मॉडल परियोजना की बैंक से ऋण मिलने की योग्यता (बैंकेबिलिटी) को बेहतर बनाने हेतु क्रेडिट बढ़ाने वाले उपाय

पूंजी को दोबारा उपयोग करने और दीर्घकालिक संस्थागत निवेशकों को आकर्षित करने हेतु इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट

नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन, जो निवेशकों को दीर्घकालिक स्पष्टता प्रदान करती है। पीएम गति शक्ति ङ्क मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के लिए राष्ट्रीय मास्टर प्लान, जो तालमेल और कार्यक्षमता को बेहतर बनाता है।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने किया विमोचन

कोटा में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्य योजना एवं यूजर मैन्युअल रिलीज

जयपुर(नि.सं.)। कोटा जिले में वर्ष 2026-27 के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की कार्य योजना एवं यूजर मैन्युअल कैलेंडर बनाया गया है।

इसका विमोचन उप मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री कुलदीप रांका द्वारा किया गया।

जिला समन्वयक रीना कुमारी ने बताया कि पहली बार कार्य योजना के साथ-साथ यूजर मैन्युअल भी बनाया गया है, जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े हुए कार्यक्रम अधिकारियों के लिए राजस्थान में राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थिति, विस्तार, उद्देश्य, लक्ष्य, संगठनात्मक संरचना, लक्ष्य गीत, हर माह की जाने वाली गतिविधियां एवं समय अवधि, आवश्यक दिशा निर्देश, लेखा संबंधी जानकारी, सोशल मीडिया हैंडल पर रजिस्ट्रेशन, कार्यक्रम संबंधी जानकारी दी गई है। राज्य संपर्क अधिकारी डॉ. नरेंद्र गुप्ता ने बताया कि कार्य योजना में शॉर्ट फिल्म, डॉक्युमेंट्री, सेल्फी विद द ट्री, जन्म दिवस पर पौधारोपण, साइकिल रन, स्लोगन लेखन आदि को शामिल किया गया है। यूथ पॉलिसी-2026 के अंतर्गत विभिन्न खेलों से जुड़े हुए स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम, स्टेट स्पोर्ट्स वालंटियर कॉपर्स का गठन, नशा मुक्ति कार्यक्रम, व्यावसायिक उद्यमिता व स्टार्टअप आधारित कार्यक्रम आदि का समावेश भी किया गया है।

न्यूज इन बॉक्स

देश के विभाजन का दर्द कैनवास पर उकेरा

हिंसा,और मासूम सपनों के टूटने की पीड़ा को दिखाया; जेकेके में लगी प्रदर्शनी

जयपुर(नि.सं.)। जयपुर के जवाहर कला केंद्र (जेकेके) में विशेष चित्रकला कार्यशाला में देश के विभाजन के दर्द, विस्थापन, पीड़ा और उसके बाद उभरी उम्मीदों को कलाकारों ने रंगों के माध्यम से कैनवास पर दिखाया। वरिष्ठ और युवा कलाकारों ने केवल रंगों और आकृतियों के माध्यम से ही नहीं, बल्कि कविता को भी रंगों से उकेरा। इन कलाकृतियों की प्रदर्शनी सुकृति कला दीर्घा में आज से शुरू हुई है। हर घर तिरंगा एवं विभाजन विभीषिका स्मृति कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत इस प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

कैनवास पर दिखा 14 अगस्त 1947 का दर्द

कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, राजस्थान सरकार के तहत आयोजित इस कार्यशाला में डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने 14 अगस्त 1947 की त्रासदी को अपने कैनवास पर उकेरा।

कानोड़िया कॉलेज में ओरिएंटेशन: कला संकाय की 400 छात्राओं ने लिया भाग

जयपुर(नि.सं.)। कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय, जयपुर में बुधवार, 12 अगस्त 2026 को प्रथम वर्ष की नवप्रवेशित छात्राओं के लिए तीन दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का उत्साहपूर्वक शुभारंभ हुआ। उद्घाटन दिवस पर कला संकाय (Arts Faculty) की प्रथम सेमेस्टर की लगभग 400 छात्राओं ने भाग लिया। इस दौरान छात्राओं को कॉलेज की शैक्षणिक व्यवस्था, अनुशासन और विभिन्न कल्याणकारी प्रकोष्ठों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल ने कहा कि जीवन में सफलता पाने के लिए केवल डिग्री हासिल करना ही काफी नहीं है, बल्कि इसके साथ आत्मविश्वास, बेहतर संवाद शैली और विभिन्न व्यावहारिक कौशलों का होना भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं के सर्वांगीण विकास में कॉलेज की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आईआईटी मद्रास रिसर्च पार्क सहित सफल मॉडल का करें अध्ययन

राजस्थान स्टेट इनोवेशन हब को चुनिंदा क्षेत्रों में उत्कृष्टता का केन्द्र बनाएं : मुख्य सचिव

जयपुर(नि.सं.)। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने कहा कि प्रस्तावित राजस्थान स्टेट इनोवेशन हब भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। उन्होंने कहा कि हब की रूपरेखा तैयार करते समय राजस्थान की मौजूदा क्षमताओं और मजबूत चुनिंदा क्षेत्रों जैसे कृषि अभियांत्रिकी, टेक्सटाइल, हैंड प्रिंटिंग, मेम्ब्रेन टेक्नोलॉजी पर विशेष फोकस किया जाए। इसके लिए देश के सफल इनोवेशन मॉडल का अध्ययन कर प्रतिष्ठित शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थानों तथा नवाचार के क्षेत्र में काम कर रहे विशेषज्ञों से भी सुझाव लिए जाएं। मुख्य सचिव ने शासन सचिवालय में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा गत 11 मई, 2026 को की गई स्टेट इनोवेशन हब की घोषणा के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए ये निर्देश दिए।

बैठक में प्रताप नगर स्थित कोचिंग हब इंस्टीट्यूशनल कॉम्प्लेक्स में स्टेट इनोवेशन हब की स्थापना के प्रस्ताव तथा इसके स्वरूप पर विस्तृत चर्चा की गई। श्रीनिवास ने कहा कि राज्य में 'iStart' ने स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब स्टेट इनोवेशन हब को इस दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुए ऐसा मंच बनाया जाए, जहां नए विचारों को प्रोत्साहन मिलने के साथ उन्हें व्यावहारिक रूप देने के लिए आवश्यक सहयोग भी उपलब्ध हो। राज्य सरकार का 'iStart' कार्यक्रम स्टार्टअप, निवेशक, इनक्यूबेटर, एक्सेलरेटर और मेंटर्स को एक साझा प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराता है। मुख्य सचिव ने प्रस्तावित हब में स्टार्टअप इनक्यूबेशन सेंटर, प्रदर्शनी हॉल तथा क्षमता निर्माण कार्यशालाओं के लिए आवश्यक सुविधाओं को शामिल करने के निर्देश दिए।

'आरयूआईडीपी संवाद'

आरयूआईडीपी के पांचवें चरण के कार्यों को लेकर बस्सी में संवाद बैठक आयोजित

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना (आरयूआईडीपी) के पांचवें चरण के अंतर्गत बस्सी शहर में प्रस्तावित विकास कार्यों को लेकर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं अन्य हितधारकों के साथ 'आरयूआईडीपी संवाद' कंसल्टेशन मीटिंग आयोजित की गई। बैठक में प्रस्तावित कार्यों की जानकारी देते हुए उपस्थित प्रतिभागियों से सुझाव एवं फीडबैक प्राप्त किए गए। परियोजना के तहत शहर में आधारभूत सुविधाओं के विकास, स्वच्छता, जल निकासी, अपशिष्ट प्रबंधन एवं अन्य आवश्यक शहरी सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर चर्चा की गई। बैठक में उपखंड अधिकारी दीपक सिंह खटाणा ने बताया कि आरयूआईडीपी के पांचवें चरण का उद्देश्य शहरों को बेहतर, व्यवस्थित, स्मार्ट एवं सतत बनाना है। प्रस्तावित कार्यों के क्रियान्वयन में स्थानीय आवश्यकताओं एवं जनप्रतिनिधियों के सुझावों को ध्यान में रखने पर जोर दिया गया।

कांडला हाइवे पर टेम्पो-बाइक में भिंड़त, दो की मौत

ट्रेलर को ओवरटेक करते समय सामने से मारी टक्कर, बाइक सवार उछलकर बाड़ में गिरे

रेवदर(वि.सं.)। सिरोही के रेवदर थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह कांडला हाईवे पर ट्रेलर, लोडिंग टेम्पो और दो बाइकों की भिड़ंत हो गई। हादसे में दो बाइक सवारों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया। टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों बाइक सवार उछलकर सड़क किनारे लगी बाड़ में जा गिरे। राहगीरों ने उन्हें बाहर निकालकर रेवदर अस्पताल पहुंचाया। हादसा सुबह करीब 9:45 बजे बूढ़ेश्वर महादेव मंदिर के पास हुआ। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। हादसे के बाद ट्रेलर और लोडिंग टेम्पो के चालक मौके से फरार हो गए। रेवदर थाने के एएसआई गणेश राम ने बताया- ट्रेलर और लोडिंग टेम्पो रेवदर से करेली की ओर जा रहे थे।

जनसुनवाई केन्द्र में सुनी आमजन की परिवेदनाएं

प्रदेश सरकार अंत्योदय के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध : पटेल

जयपुर(नि.सं.)। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने जोधपुर जिले में पाल रोड स्थित विधायक जनसुनवाई केन्द्र लूणी में आमजन की परिवेदनाएं सुनी और संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पटेल ने कहा कि हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के संवेदनशील नेतृत्व में प्रदेश सरकार अंत्योदय के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी दिशा में निरंतर जनसुनवाई के माध्यम से आमजन की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं से अंतिम व्यक्ति को जोड़ा जा रहा है।

अधिकारियों दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

पटेल ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आमजन की समस्याओं एवं परिवेदनाओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी जनसेवा की भावना से कार्य करते हुए पारदर्शिता, संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व की भावना के साथ कार्य करें। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि शिकायतों के समाधान में लापरवाही या उदासीनता सुशासन की अवधारणा को कमजोर करती है। इसलिए

यह आवश्यक है कि प्रत्येक अधिकारी अपने स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करें और नागरिकों को राहत पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

सुशासन का आदर्श प्रस्तुत करें अधिकारी

पटेल ने कहा कि अधिकारी निष्पक्षता, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें, इससे आमजन में शासन की छवि सुदृढ़ होती है और जनता का विश्वास प्रशासन पर बढ़ता है। उन्होंने कहा कि अधिकारी केवल आदेशपालक न बनें, बल्कि शासन की नीति और मंशा के अनुरूप सक्रिय भागीदारी निभाएं। जनप्रतिनिधियों और नागरिकों के साथ निरंतर संवाद रखें ताकि स्थानीय समस्याओं का त्वरित एवं युक्तियुक्त समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

सीकर जिला प्रमुख और चेयरमैन महिलाएं बनेंगी

खाटूश्यामजी में महिला बनेगी सभापति, 4 नई नगर पालिकाओं में से 3 OBC के लिए रिजर्व

सीकर(वि.सं.)। सीकर में लगातार 5वीं बार महिला जिला प्रमुख बनेगी। यह सीट ओबीसी महिला के लिए रिजर्व की गई है। सीकर जिला परिषद के कुल 49 सदस्य बनेंगे, उनमें से ही जिला प्रमुख का चुनाव होगा। आज लॉटरी निकलने के साथ ही राजनीतिक पार्टियों के समीकरण बनने भी शुरू हो गए हैं। हालांकि अभी जिला परिषद सदस्यों की लॉटरी निकलना बाकी है, लेकिन जिला प्रमुख की कैटेगरी फाइनल होते ही इच्छुक लोगों की सक्रियता बढ़ने लगी है। सीकर में इस बार जिला परिषद का 12वां बोर्ड बनेगा। इससे पहले 11 जिला प्रमुख बन चुके हैं और 3 बार प्रशासक लगाए गए हैं।

बीसलपुर-बांध

बीसलपुर-बांध में पानी की आवक जारी, बांध का जलस्तर 313.75 आर एल मीटर पहुंचा

जयपुर। बीसलपुर बांध के भराव क्षेत्र में तेज बारिश होने से बीसलपुर बांध में इस सीजन में पहली बार 24 घंटे में सबसे अधिक 18 सेमी पानी की आवक हुई है। इसी के साथ शुक्रवार सुबह तक बांध का जलस्तर 313.75 आर एल मीटर पहुंच गया है। अभी यह आवक जारी है।त्रिवेणी 3.90 मीटर बह थी है,ऐसे में अभी भी बारिश नहीं होती है तो दो तीन दिन रोजाना पांच छह सेमी पानी की आवक बांध में होगी। बीते

24 घंटे में जो 18 सेमी पानी बांध में आया है उससे दस दिन टोंक, अजमेर और जयपुर को पानी मिल सकेगा। इन तीनों जिलों में रोजाना 900-1000 एमएलडी पानी बीसलपुर बांध से पेयजल के लिए जाता है। इससे बांध डेढ़ से दो सेमी खाली होता है। बांध की भराव क्षमता 315.50 मीटर (38 टीएमसी) के मुकाबले 26.682 टीएमसी पानी आ चुका है। यानि बांध करीब दो तिहाई भर चुका है। बांध अब पौने दो मीटर ही खाली है। संभवतः तीन चार तेज बारिश बांध में भराव क्षेत्र में हो जाए तो यह बांध इसके पुराने इतिहास अगस्त माह में फुल भरकर गेट खोलने का दोहरा सकता है। अभी तक बांध में इतिहास में 2025 को छोड़कर बांध के गेट।अगस्त माह में ही खुले है।

पुलिस मुख्यालय की बड़ी पहल | **विधि विद्यार्थी अब पुलिस के कार्यों में करेंगे सहयोग**

एसओजी,एससीआरबी,अपराध शाखा,साइबर शाखाओं में मिलेगा प्रशिक्षण का अवसर

- **राजस्थान पुलिस अवैतनिक प्रशिक्षुता कार्यक्रम शुरु**
- **युवा विधि प्रतिभाओं को पुलिस से जोड़ने की अनूठी पहल**
- **विधि विषय शोधार्थियों, विधि स्नातक, स्नातकोत्तरों से शीघ्र मांगे जाएंगे आवेदन**

जयपुर (नि.सं.)। देश-विदेश के विश्वविद्यालयों में विधि स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थी अब राजस्थान पुलिस में प्रशिक्षु के रूप में जुड़ सकेंगे। इन्हें पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं, इकाईयों, ब्यूरो और क्षेत्रीय इकाईयों में पुलिस कार्यों का व्यावहारिक अनुभव मिलेगा। प्रशिक्षु अपनी दक्षता से प्रभावी पुलिसिंग, आपराधिक न्याय प्रणाली,

फोरेंसिक विज्ञान, साइबर कानून और सम्बद्ध कानूनी विषयों में नीति विश्लेषण, डेटा संग्रह और अनुसंधान की प्रक्रियाओं में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे तथा पुलिस का सहयोग कर सकेंगे। राजस्थान महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार पुलिस मुख्यालय ने उच्च स्तरीय अकादमिक प्रतिभाओं के लिए 'राजस्थान पुलिस प्रशिक्षुता योजना' प्रारंभ की है। योजना के लिए प्रतिभाओं से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध शाखा श्री बिपिन कुमार पाण्डेय द्वारा जारी आदेशानुसार चयनित प्रशिक्षुओं का अपराध शाखा, एससीआरबी, एसओजी, यातायात, साइबर अपराध, विधि शाखा, आधुनिकीकरण एवं अन्य इकाइयों के कानूनी शोध, डेटा विश्लेषण और रिपोर्ट लेखन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में सहयोग लिया जाएगा। प्रशिक्षुता पूर्णतः अवैतनिक आधार पर होगी। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं के करियर और भविष्य के हितों में मजबूत विधिक अनुभव प्रदान करना है।

आवेदन के लिए पात्रता

राजस्थान पुलिस प्रशिक्षुता योजना में आवेदन के लिए उम्मीदवारों का 12वीं कक्षा में 60 प्रतिशत या समकक्ष अंक होना अनिवार्य है। इसके अलावा निम्नलिखित श्रेणियों के विद्यार्थी पात्र होंगे-

- 3 वर्षीय एलएलबी विद्यार्थी, जो वर्तमान में अंतिम वर्ष (5वें या छठे सेमेस्टर) में पढ़ रहे हों और पिछले सभी सेमेस्टरों में कुल मिलाकर कम से कम 60 प्रतिशत या समकक्ष अंक प्राप्त हों। साथ ही, 5 वर्षीय एकीकृत कानून विद्यार्थी (बीए एलएलबी/बीबीए एलएलबी/बी.कॉम एलएलबी आदि), जो वर्तमान में अंतिम वर्ष (9वें या 10वें सेमेस्टर) में अध्ययनरत हों तथा पिछले सभी सेमेस्टरों में कुल 60 प्रतिशत या समकक्ष अंक प्राप्त हों।
- स्नातकोत्तर (एलएलएम/पीएचडी), एलएलएम के प्रथम वर्ष के द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा दे चुके विद्यार्थी तथा कानून में

संक्षिप्त समाचार

बाली में आग और ऊंची लहरों के बीच फंसा जहाज, 106 यात्रियों को बचाया गया; रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

वाशिंगटन, एजेंसी। इंडोनेशिया के टूरिस्ट आइलैंड बाली के पास बुधवार को ऊंची लहरों के बीच एक पैसेंजर जहाज में आग लग गया। जिसमें 106 को बचाया गया है। इसके साथ ही आग बुझाने की कोशिशें की जा रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि बचाव दल और वहां से गुजर रहे जहाजों ने 106 लोगों को बचा लिया था। वहीं, वे जलते हुए जहाज से बाकी 25 लोगों को निकालने की कोशिश कर रहे है। मताराम सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस के प्रमुख मुहम्मद हरियादी ने कहा, 'हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता सभी यात्रियों और क्रू सदस्यों की सुरक्षा है।' उन्होंने बताया कि समुद्र में उथल-पुथल और 4 मीटर (13 फीट) तक ऊंची लहरों के कारण बचाव कार्य में मुश्किल आ रही थी। प्रांतीय राजधानी मताराम में मौजूद सर्च ऑफिस के अनुसार, आग सुबह करीब 4:15 बजे लगी। उस समय 'पुत्री यास्मीन' जहाज बाली के पाडांग बाई पोर्ट से वेस्ट नुसा तेंगारा प्रांत के पड़ोसी द्वीप लोम्बोक के लेम्बर पोर्ट जा रहा था। एजेंसी को लगभग आधे घंटे बाद इमरजेंसी रिपोर्ट मिली और उसने तुरंत अपने कर्मचारियों और बचाव जहाजों को काम पर लगा दिया। हरियादी ने बताया कि बचाव अभियान में इंडोनेशियाई नौसेना के जहाज, पेट्रोल बोट, बचाव नौकाएं और हवाई सर्वे के लिए एक हेलीकॉप्टर शामिल थे। हरियादी ने पाडांग बाई पोर्ट अथॉरिटी से मिली यात्री सूची के आधार पर बताया कि जहाज में 114 यात्री और 17 क्रू सदस्य सवार थे। इसके साथ ही जहाज में 44 गाड़ियां और 53 मोटरसाइकिलें भी लदी हुई थीं।

अमेरिकी कोर्ट ने पन्नू केस के आरोपी निखिल गुप्ता की सजा की तारीख बदली, अब कब होगा फैसला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने का जुर्म कबूल करने वाले निखिल गुप्ता की सजा सुनाने की तारीख 20 नवंबर तक टाल दी है। न्यूयॉर्क के सदर्न डिस्ट्रिक्ट की फेडरल कोर्ट ने पहले गुप्ता को सजा सुनाने के लिए 25 सितंबर की तारीख तय की थी, लेकिन जिसकी हत्या की साजिश रची गई थी उस व्यक्ति के अनुरोध पर सुनवाई को टाल दिया गया। हालांकि कोर्ट में दाखिल दस्तावेजों में पीड़ित का नाम नहीं है, लेकिन पन्नू के वकील ने सार्वजनिक रूप से खुद को कथित हत्या की साजिश का निशाना बताया है। न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के लिए अमेरिकी जिला न्यायालय के समक्ष दायर एक पत्र में, सरकारी वकीलों ने बताया कि जिस पीड़ित का नाम नहीं बताया गया है। वह सजा सुनाए जाने की प्रक्रिया में शामिल होना चाहता है। उन्होंने 25 सितंबर को होने वाली सुनवाई को टालने का अनुरोध किया क्योंकि उस समय वह देश से बाहर होगा। जज विक्टर मरेरो ने यह अनुरोध मान लिया और गुप्ता को सजा सुनाने की तारीख बदलकर 20 नवंबर को सुबह 10 बजे कर दी। 13 फरवरी को गुप्ता ने पन्नू की हत्या की साजिश के संबंध में हत्या के लिए सुपारी देने, हत्या के लिए सुपारी देने की साजिश रचने और मनी लॉन्ड्रिंग की साजिश रचने के तीनों आरोपों में दोषी होने की बात स्वीकार कर ली। सुपारी लेकर हत्या करने के आरोप में अधिकतम 10 साल की जेल की सजा हो सकती है।

उत्तर कोरिया ने फिर दागी संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल, जापान बोला- समुद्र में गिरी; क्यों बढ़ा तनाव

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने बुधवार को अपने पूर्वी तट से जापान सागर की ओर एक संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल दागी। जापान के रक्षा मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। मंत्रालय के मुताबिक, संदिग्ध मिसाइल समुद्र में गिर गई। यह घटना ऐसे समय हुई है, जब एक सप्ताह से भी कम समय में उत्तर कोरिया की ओर से दूसरी बार इस तरह के हथियार का परीक्षण किया गया है। दक्षिण कोरिया की समाचार एजेंसी योनहाप ने वहां की सेना के हवाले से बताया कि उत्तर कोरिया ने अपने पूर्वी तट से एक अज्ञात प्रक्षेप्य का प्रक्षेपण किया। दक्षिण कोरियाई सेना ने इस प्रक्षेपण की जानकारी ऐसे समय में दी है, जब क्षेत्र में सैन्य गतिविधियों को लेकर तनाव बना हुआ है। उत्तर कोरिया का यह प्रक्षेपण दक्षिण कोरिया और अमेरिका की ओर से अगले सप्ताह वार्षिक बड़े पैमाने का सैन्य अभ्यास शुरू करने की घोषणा के दो दिन बाद हुआ है। दोनों देशों का कहना है कि इस अभ्यास का उद्देश्य उत्तर कोरिया से जुड़े संभावित खतरों से निपटने के लिए अपनी सैन्य तैयारियों को मजबूत करना है। 'उल्ची फ्रीडम शील्ड' नाम से होने वाले इस सैन्य अभ्यास को लेकर उत्तर कोरिया की प्रतिक्रिया पर भी नजर है। प्योंगयांग लंबे समय से अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यासों का विरोध करता रहा है।

तालिबानी शासन के पांच साल: अफगान महिलाओं से छिना पढ़ने, काम करने और सपने देखने का हक; कैसे जिंदा हैं उम्मीदें

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान शासन के पांच साल पूरे होने के बीच वहां की लड़कियों और महिलाओं की जिंदगी पर पाबंदियों की तस्वीर सामने आई है। पढ़ाई, नौकरी और आजादी के रास्ते बंद होने के बावजूद कई महिलाएं अपने सपनों को बचाने की कोशिश कर रही हैं। बल्ख की 23 वर्षीय सोफिया मालेक चोरी-छिपे ऑनलाइन कक्षाएं लेकर साहित्य पढ़ रही हैं और उपन्यास लिख रही हैं, जबकि हेरात की पूर्व महिला सैनिक पारस्तो को अपनी वर्दी तक छोड़नी पड़ी। इन महिलाओं की कहानियां बताती हैं कि पाबंदियों के बीच भी पढ़ने, लिखने और अपने पैरों पर खड़े होने की इच्छा खत्म नहीं हुई है।

तालिबान के शासन में महिलाओं की जिंदगी कैसे बदल गई : तालिबान के सत्ता में आने के बाद अफगानिस्तान में लड़कियों और महिलाओं के सामने कई तरह की पाबंदियां खड़ी हो गईं। पढ़ाई और काम के अवसर सीमित हुए तो उनके लिए सामान्य जीवन जीना भी मुश्किल हो गया। कई महिलाओं को अपने पुराने काम और पहचान से हाथ धोना पड़ा। हेरात की रहने वाली पारस्तो छह साल तक समर्पित सैनिक के तौर पर अफगानिस्तान की सेवा कर चुकी थीं। लेकिन तालिबान के सत्ता में आने के बाद उन्हें और उनकी महिला साथियों को बुलाकर वर्दी सौंपने के लिए कहा गया। उनके मुताबिक, वर्दी छिनने का एहसास ऐसा था जैसे उनसे जीने का अधिकार ही छीन लिया गया हो।

पूर्व महिला सैनिक पारस्तो आज किस डर में जी रहीं : पारस्तो के मुताबिक, तालिबान के लोगों की ओर से उन्हें लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। उनके पति को भी तालिबान के लोग बुलाकर पूछताछ करते हैं कि उन्होंने कितने तालिबानियों को मारा था। ऐसे माहौल में उनका रोज का जीवन डर में बीत रहा है। सुबह घर का काम पूरा करने के बाद वह काम की तलाश में निकलती हैं और फिर पति के सुरक्षित घर लौटने की चिंता करती हैं। उनके लिए पुरानी नौकरी और सैनिक की पहचान अब अतीत बन चुकी है।

सोफिया मालेक पढ़ने-लिखने का सपना कैसे बचा रहीं : उत्तरी अफगानिस्तान की रहने वाली 23 वर्षीय सोफिया मालेक उन महिलाओं में हैं जो पाबंदियों के बावजूद अपने सपनों को छोड़ना नहीं चाहतीं। वह अंडरकवर पत्रकार के तौर पर लोगों से मिलती हैं, उनकी कहानियां दर्ज करती हैं और उन्हें दुनिया के सामने लाने की कोशिश करती हैं। इसके साथ ही वह चोरी-छिपे ऑनलाइन कक्षाएं ले रही हैं और साहित्य की समझ बढ़ा रही हैं। वह एक उपन्यास भी लिख रही हैं। उनके लिए पढ़ना, लिखना और सृजन करना ऐसा सपना है जिसे कोई तब तक नहीं छीन सकता, जब तक इंसान खुद उसे छोड़ न दे।

सोफिया को हर दस्तक से डर क्यों : सोफिया के लिए अपने काम को जारी रखना आसान नहीं है। उनके मुताबिक, हर समय पकड़े जाने का डर बना रहता है। जब भी घर के दरवाजे पर कोई दस्तक देता है तो उनकी धड़कनें तेज हो जाती हैं। वह अपना लैपटॉप गद्दे के नीचे छिपा देती हैं। तालिबानी अधिकारी उनके घर की कई बार तलाशी भी ले चुके हैं। इसके बावजूद वह लोगों से मिलती हैं, उनकी कहानियां लिखती हैं और अपनी पढ़ाई जारी रखती हैं। कभी-कभी अपनी पसंद की किताब खरीदने के लिए बुकशॉप जाना भी उनकी नियमित दिनचर्या का हिस्सा बन गया है।

अफगानिस्तान छोड़ चुकी महिलाओं को पीछे छूटी सहेलियों की चिंता क्यों : साल 2021 में काबुल छोड़कर अमेरिका पहुंचीं अफगान मूल की मुर्सल रहीम ने भी वहां की महिलाओं की स्थिति को लेकर अपनी पीड़ा साझा की है। उनका कहना है कि अमेरिका में शिक्षा, नौकरी और स्वतंत्रता का आनंद लेते हुए उन्हें अपनी उन सहेलियों की याद आती है, जो अब भी अफगानिस्तान में कैदियों जैसा जीवन जी रही हैं। अमेरिका में शरण मिलना उनके लिए राहत की बात रही, लेकिन उन्हें इस बात का अपराध-बोध भी रहता है कि वह किस्मत से बाहर निकल पाईं, जबकि उनकी कई साथी आज भी पाबंदियों के बीच जिंदगी गुजार रही हैं। अफगानिस्तान की इन महिलाओं की कहानियां दिखाती हैं कि पाबंदियां उनके रास्ते को मुश्किल बना सकती हैं, लेकिन उनकी इच्छा को पूरी तरह खत्म नहीं कर पाई हैं। कोई चोरी-छिपे पढ़ाई कर रही है, कोई अपनी कहानी दुनिया तक पहुंचाने की कोशिश कर रही है और कोई देश से बाहर निकलने के बाद भी वहां फंसी महिलाओं के लिए आवाज उठा रही है। मुर्सल रहीम ने अमेरिकी सरकार से भी अपील की है कि संकट में फंसी अफगान महिलाओं को भुलाया नहीं जाए।

रूस से तेल खरीद पर 100% टैरिफ का खतरा, यूएस अधिकारी बोले- पीएम मोदी और ट्रंप खुद सुलझाएंगे मामला

वॉशिंगटन, एजेंसी। रूस से तेल खरीद को लेकर भारत पर संभावित 100 फीसदी अमेरिकी टैरिफ के मुद्दे पर अमेरिका की ओर से अहम बयान आया है। अमेरिकी व्यापार एवं विनिर्माण मामलों के वरिष्ठ सलाहकार पीटर नवारो ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच अच्छे कामकाजी संबंध हैं और दोनों नेता इस मुद्दे को आपस में सुलझा लेंगे। नवारो ने एएनआई के सवाल के जवाब में कहा कि इस मामले में उन्हें या किसी अन्य अधिकारी को दोनों नेताओं के बीच आने की जरूरत नहीं है। उन्होंने भरोसा जताया कि राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी इस मुद्दे पर समाधान निकाल लेंगे।

क्या रूस से तेल खरीद पर भारत पर लग सकता है 100 फीसदी टैरिफ : यह मामला अमेरिकी सीनेट में पारित एक द्विदलीय विधेयक के बाद चर्चा में आया है। 7 अगस्त को अमेरिकी सीनेट ने ऐसा विधेयक पारित किया, जिसके तहत राष्ट्रपति ट्रंप को रूस से तेल और गैस खरीद जारी रखने वाले देशों के सामान पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने का अधिकार मिल सकता है। सीनेट में लिंडसे ओ ग्राहम रूस और ईरान प्रतिबंध अधिनियम 2026 को 86-11 के भारी बहुमत से मंजूरी मिली। इस प्रस्ताव का उद्देश्य रूस और ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाना तथा मॉस्को के साथ बड़े ऊर्जा कारोबार वाले देशों को निशाना बनाना है।

क्या भारत रूस से तेल खरीदने वाले प्रमुख देशों में शामिल है : प्रस्ताव के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति को रूस के कच्चे तेल या प्राकृतिक गैस के शीर्ष पांच खरीदार देशों से आने वाले सामान पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने का अधिकार दिया जा सकता है। भारत और चीन रूस के कच्चे तेल के बड़े खरीदारों में शामिल हैं। विधेयक में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अन्य वरिष्ठ राजनीतिक एवं सैन्य अधिकारियों के अलावा वित्तीय संस्थानों, ऊर्जा परियोजनाओं और रूस के युद्ध प्रयासों से जुड़े संस्थानों पर नए प्रतिबंधों का भी प्रावधान है।

क्या भारत ने 2022 के बाद रूस से तेल खरीद बढ़ाई : रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत ने अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस से रियायती कीमतों पर कच्चे तेल की खरीद बढ़ाई। वैश्विक बाजार में अस्थिरता के बीच सस्ता रूसी कच्चा तेल भारतीय रिफाइनरियों के लिए लागत को बेहतर ढंग से संभालने और घरेलू आपूर्ति बनाए रखने में मददगार रहा। अमेरिकी प्रस्ताव के तहत रूस से ऊर्जा खरीदने वाले देशों के सामने एक तरह से रूस से रियायती ऊर्जा खरीद जारी रखने या अमेरिकी बाजार तक पहुंच बनाए रखने के बीच विकल्प खड़ा हो सकता है।

जिम्बाब्वे की करिबा झील में पलटी नाव, 15 की मौत; 27 लोग अब भी लापता

हरारे, एजेंसी। जिम्बाब्वे की करिबा झील में क्षमता से ज्यादा यात्रियों से भरी एक नाव पलट गई। हादसे में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 27 लोग लापता हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी जानकारी देते हुए बताया कि 77 लोगों को बचा लिया गया और उन्हें झील में मौजूद एक द्वीप पर ले जाया गया।

जिम्बाब्वे की सिविल प्रोटेक्शन यूनिट ने बताया कि टिकट बिक्री के रिकॉर्ड के आधार पर नाव में 114 वयस्क यात्री और चालक दल के पांच सदस्य सवार थे। हालांकि, टिकट की उम्र सीमा से कम उम्र के बच्चों की संख्या अज्ञात हो सकती है और उनका रिकॉर्ड दर्ज नहीं हुआ होगा। एजेंसी ने बताया कि नाव की क्षमता 90 लोगों की थी। स्थानीय सांसद मुत्सा मुरोम्बेडजी ने एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने बताया कि इसमें लोग किनारे पर खड़े होकर यात्रा शुरू करने वाली पुरानी नाव को विदा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण इलाकों के लोग झील के रास्ते करिबा शहर जाने के लिए इस नाव का इस्तेमाल करते हैं। वीडियो के मुताबिक, किनारे पर मौजूद कुछ लोग इस बात को लेकर भी चिंतित थे कि झील में तेज लहरों के बीच नाव सुरक्षित रह पाएगी या नहीं। इससे पहले जिम्बाब्वे पुलिस ने बताया था कि बचाव अभियान चल रहा है, लेकिन उसने घटना से जुड़ी कोई अन्य जानकारी नहीं दी थी। जिम्बाब्वे के सरकारी प्रसारक जेडबीसी ने वीडियो जारी किया, जिसमें स्पीडबोट झील में पलटी हुई दिखाई दे रही एक नाव की ओर जाते नजर आ रही हैं। इसके ऊपर एक हेलीकॉप्टर भी मंडराता दिखाई दिया। दक्षिणी अफ्रीका में स्थित करिबा झील जिम्बाब्वे और उसके पड़ोसी देश जाम्बिया की सीमा का हिस्सा है। यह पानी की मात्रा के लिहाज से दुनिया की सबसे बड़ी मानव निर्मित झील है। इसे 1950 के दशक के अंत और 1960 के दशक की शुरुआत में जाम्बेजी नदी पर बांध बनाकर तैयार किया गया था। बांध के कारण घाटी में धीरे-धीरे पानी भरता गया और विशाल झील का निर्माण हुआ। यह झील अब 200 किलोमीटर से अधिक लंबी और कुछ स्थानों पर 40 किलोमीटर तक चौड़ी है।

हूती हमले में छह की मौत: जहाज पर दो बार दागी मिसाइल, बचाव दल को भी बनाया निशाना; लाल सागर में क्यों बढ़ा खतरा

यमन, एजेंसी। लाल सागर के बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य में एक वाणिज्यिक जहाज पर हुए मिसाइल हमले में कम से कम छह लोगों की मौत की खबर सामने आई है। यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार ने इस हमले के लिए ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को जिम्मेदार ठहराया है। बताया गया है कि हूतियों ने खाद्य सामग्री ले जा रहे छोटे मालवाहक जहाज 'तिहामा' पर तीन बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हमले के बाद जहाज में आग लग गई।

जहाज पर हमला कैसे हुआ और कितने लोगों की मौत हुई : यमन के परिवहन मंत्रालय के अनुसार मिसाइल हमले के बाद लगी आग में चालक दल के चार सदस्यों की मौत हुई। इनमें तीन पाकिस्तानी और एक इंडोनेशियाई नागरिक बताया गया है। चार अन्य चालक दल सदस्य घायल हुए। एक बचावकर्मी के घायल होने की भी जानकारी दी गई है। इसके बाद जब जहाज पर सवार लोगों को बचाने के लिए खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया, तब जहाज को दूसरी बार निशाना बनाया गया। यमनी अधिकारियों ने इस दूसरे हमले को बचाव दल समेत जहाज पर मौजूद लोगों की जान खतरे में डालने वाला बताया।

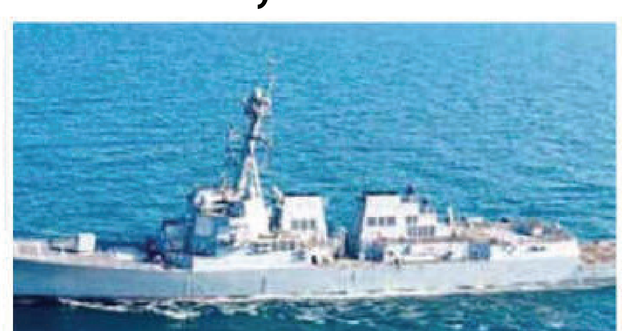

दूसरे हमले में बचावकर्मियों को भी बनाया गया निशाना : यमन के तटरक्षक बल ने बाद में पुष्टि की कि मृतकों में दो बचावकर्मी भी शामिल थे। इस तरह हमले में मरने वालों की संख्या छह हो गई। घटना को इसलिए भी गंभीर माना जा रहा है क्योंकि दूसरा हमला उस समय हुआ, जब पहले हमले के बाद राहत और बचाव का काम चल रहा था। इससे जहाज पर मौजूद लोगों के साथ-साथ मदद के लिए पहुंचे बचावकर्मियों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

जहाज के मालिकाना हक को लेकर क्या सामने आया : हमले के बाद जहाज के मालिकाना हक को लेकर शुरुआती जानकारी में भ्रम की स्थिति रही। यमनी अधिकारियों और समुद्री खुफिया समूह की शुरुआती जानकारी में कहा गया कि निशाना बनाया गया जहाज सऊदी अरब के स्वामित्व वाला था। हालांकि उपलब्ध समुद्री डेटा के मुताबिक तिहामा तंजानिया के झंडे के नीचे चल रहा था। जहाज के स्वामित्व से जुड़ी कंपनियां मिस्र और यमन में पंजीकृत बताई गई हैं। इससे जहाज की पहचान और उसके संचालन को लेकर शुरुआती दावों में अंतर सामने आया है। इस घटना के बीच सऊदी अरब के जजान में अरामको रिफाइनरी पर हूतियों के हमले का भी जिक्र सामने आया है। उनके मुताबिक यह कार्रवाई सऊदी अरब की ओर से सादा और हज्जाह प्रांतों में किए गए ड्रोन अभियानों के जवाब में की गई।

होर्मुज में अमेरिकी कार्रवाई तेज, ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी तोड़ने वाले जहाज पर किया हमला

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका ने ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाते हुए ओमान की खाड़ी में एक जहाज पर सैन्य कार्रवाई की है। अमेरिकी सेना के मुताबिक, पनामा के झंडे वाला यह जहाज ईरानी बंदरगाहों की अमेरिकी नाकाबंदी से बचने की कोशिश कर रहा था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि जहाज को रुकने की चेतावनी दी गई थी, लेकिन उसने आदेश नहीं माना। इसके बाद अमेरिकी हेलीकॉप्टर ने जहाज के इंजन रूम में मिसाइलें दागीं, जिससे जहाज चलने में असमर्थ हो गया।

अमेरिका ने जहाज पर हमला क्यों किया : अमेरिकी सेना के अनुसार, एमवी वेला नोवा नाम का जहाज ईरानी बंदरगाहों पर लगी अमेरिकी नाकाबंदी को पार करने की कोशिश कर रहा था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि जहाज को रुकने के लिए चेतावनी दी गई थी, लेकिन उसने चेतावनी नहीं मानी। इसके बाद अमेरिकी हेलीकॉप्टर ने उसके इंजन रूम को निशाना बनाकर मिसाइलें दागीं। हमले के बाद जहाज निष्क्रिय हो गया। हालांकि, अमेरिकी सेना ने यह नहीं बताया कि जहाज पर मौजूद चालक दल के किसी सदस्य को नुकसान पहुंचा या नहीं।

अमेरिका ने नाकाबंदी लागू करने के लिए अब तक क्या कार्रवाई की

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, उसने नाकाबंदी को तोड़ने की कोशिश करने वाले 55 वाणिज्यिक जहाजों का रास्ता बदलवाया है। इसके अलावा तीन ऐसे जहाजों को निष्क्रिय किया गया, जिन्होंने अमेरिकी आदेशों का पालन नहीं किया। दो जहाजों पर अमेरिकी सेना ने सवार होकर कार्रवाई भी की है। इससे साफ है कि अमेरिका ईरानी बंदरगाहों पर अपनी नाकाबंदी को लागू कराने के लिए सैन्य दबाव लगातार बढ़ा रहा है।

अरब सागर में अमेरिका की कितनी सैन्य ताकत मौजूद है

अमेरिकी नौसेना के 15 से अधिक युद्धपोत फिलहाल अरब सागर के आसपास के समुद्री क्षेत्र में तैनात हैं। इनमें दो विमानवाहक पोत और एक उभयचर हमला करने वाला जहाज भी शामिल है। यह सैन्य तैनाती ऐसे समय में है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर आर्थिक दबाव बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। ओमान की खाड़ी में जहाज पर हुई कार्रवाई से संकेत मिलता है कि ईरान पर दबाव सिर्फ आर्थिक और राजनीतिक स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि समुद्री मार्गों पर भी अमेरिकी निगरानी और कार्रवाई तेज हो गई है।

'मुझे बहुत धमकियां मिलती हैं': राष्ट्रपति ट्रंप ने माना तुर्किये में ट्रक में छिपकर बदला था विमान; क्या कहा

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि उन्हें ईरान पर बिल्कुल भरोसा नहीं है। उन्होंने कह, 'ईरान पर भरोसा करने वाला मैं आखिरी व्यक्ति हूं। उन्होंने लगातार मुझसे झूठ बोला है।' ट्रंप ने कहा कि इस समय होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका का पूरी तरह नियंत्रण है। उन्होंने कहा, उनका (ईरान) नियंत्रण नहीं है। हमारा पूरा नियंत्रण है। यह हमारे कब्जे में है। ट्रंप ने आगे चेतावनी देते हुए कहा कि अगर किसी समय ईरान ने कुछ करने की कोशिश की, तो उसे 'उड़ा दिया' जा सकता है। उन्होंने कहा, 'अभी हम बहुत अच्छी स्थिति में हैं।

ट्रंप ने की तुर्किये में विमान बदलने की पुष्टि : एक अन्य बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी सुरक्षा को लेकर कहा कि वह सीक्रेट सर्विस और सेना के निर्देशों का पालन करते हैं। उन्होंने कहा कि यह फैसला पूरी तरह सीक्रेट सर्विस पर निर्भर करता है और वह वही करते हैं जो सीक्रेट सर्विस उनसे करने के लिए कहती है। ट्रंप ने बताया कि सीक्रेट सर्विस ने उन्हें एक अलग उड़ान और अलग विमान से जाने के लिए कहा था। उन्होंने कहा कि वह विमान भी उतना ही सुरक्षित था। लेकिन सीक्रेट सर्विस चाहती थी कि वह उसी विमान से यात्रा करें, इसलिए उन्होंने उनकी बात मान ली। ट्रंप ने कहा, मैं वही करता हूं जो वे कहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि शायद वहां कोई खतरा था। ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्हें बहुत सारी धमकियां मिलती रहती हैं। तुर्किये में पिछले महीने नाटो सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप को ईरान से गंभीर खतरे के चलते बेहद गोपनीय तरीके से

वहां से निकाला गया था। ट्रंप को एयरफोर्स वन के पुराने विमान से एक खानपान सामग्री ले जाने वाले कंटेनर के जरिये निकालकर दूसरे सैन्य विमान तक पहुंचाया गया। राष्ट्रपति ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि वह 8 जुलाई को पुराने एयरफोर्स वन से ब्रिटेन जाएंगे। पत्रकारों ने तुर्किये में ट्रंप को पुराने नीले रंग के 747 विमान में चढ़ते हुए भी देखा था। हालांकि, ट्रंप उस विमान में सवार नहीं हुए। उन्हें दूसरी तरफ से कंटेनर के जरिये निकालकर एक सी-32ए सैन्य विमान से गुप्त रूप से ब्रिटेन भेजा गया। गौरतलब है कि 747 विमान कतर के शाही परिवार ने अमेरिका को उपहार में दिया था।

अचानक बदला प्लान : ट्रंप एक माह पहले कतर के शाही परिवार से उपहार में दिए गए इस विमान से तुर्किये पहुंचे थे। उन्हें इसी विमान से ब्रिटेन जाना था लेकिन ऐन वक्त पर प्लान बदला गया और कंटेनर में बैठाकर सी-32ए सैन्य विमान तक पहुंचाया गया।

तीसरी बार चुनाव लड़ने के सवाल पर क्या कहा : ट्रंप ने तीसरी बार राष्ट्रपति चुनाव लड़ने को लेकर पूछे गए सवाल को टालते हुए कहा कि वह चुनाव लड़ना पसंद करेंगे, लेकिन कानून इस मामले में बहुत सख्त है। ट्रंप ने कहा, हर कोई चाहता है कि मैं ऐसा करूं, लेकिन कानून बहुत सख्त है।

म्यांमार में सेना ने बदला हवाई हमलों का तरीका: क्या है 'डबल-टैप'; संयुक्त राष्ट्र की जांच में क्या खुलासे हुए

बैंकॉक, एजेंसी। म्यांमार की सेना ने सरकार विरोधी सशस्त्र समूहों के साथ जारी संघर्ष के बीच हवाई हमले बढ़ा दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक जांच रिपोर्ट में बताया गया है कि इन हमलों में आम लोग मारे जा रहे हैं। सेना इन हमलों के लिए मोटर से चलने वाले पैराग्लाइडर और जाइरोकॉप्टर जैसे कम लागत वाले विमानों का इस्तेमाल पहले से ज्यादा कर रही है। उधर, रखाइन प्रांत में सरकार के खिलाफ लड़ रहे एक बड़े जातीय सशस्त्र समूह ने दावा किया है कि इस महीने अब तक सेना के हवाई हमलों में 20 आम लोग मारे गए हैं। म्यांमार के सैन्य शासन ने संयुक्त राष्ट्र की जांच या अराकान आर्मी के आरोपों पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इससे पहले सेना कहती रही है कि वह केवल युद्ध में वैध ठिकानों पर ही हमला करती है। सेना ने सरकार के खिलाफ लड़ रहे बलों पर आतंकवादी होने का आरोप लगाया है। संयुक्त राष्ट्र की ओर से बनाई गई इंडिपेंडेंट इन्वेस्टिगेटिव मैकेनिज्म फॉर म्यांमार (आईआईएमएम) की रिपोर्ट में एक साल तक चली जांच का विवरण दिया गया है। यह जांच म्यांमार की सेना और उससे जुड़े हथियारबंद समूहों के साथ-साथ सरकार विरोधी सशस्त्र समूहों के कथित युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ किए गए अपराधों को लेकर की गई थी। जांच में पाया गया कि दिसंबर और जनवरी में सेना की ओर से कराए गए चुनावों के दौरान हिंसा और मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाएं बढ़ गई थीं। आईआईएमएम ने कहा कि चुनाव से पहले के महीनों में हवाई हमले काफी बढ़ गए थे और चुनाव के बाद भी ये लगातार जारी रहे। जांचकर्ताओं ने लोगों को जानबूझकर और बिना किसी उचित वजह के हिरासत में लेने, यातना देने और यौन हिंसा की घटनाएं भी दर्ज कीं।

क्या है 'डबल-टैप' हवाई हमला : आईआईएमएम ने कहा कि सेना के बढ़ते 'डबल-टैप' हवाई हमलों से आम लोगों की मौत और घायल होने की संख्या बढ़ रही है। पहले हमला किया जाता है और फिर उसी जगह पर दोबारा हमला किया जाता है। जांच के अनुसार, दूसरे हमले में उन लोगों को निशाना बनाया जाता है, जो घायलों की मदद करने, उन्हें बचाने या वहां से भागने की कोशिश कर रहे होते हैं।

पैरामोटर और ड्रोन का क्यों बढ़ा इस्तेमाल : आईआईएमएम ने कहा कि म्यांमार की सेना हवाई हमलों के लिए मोटर से चलने वाले पैराग्लाइडर (जिसे पैरामोटर भी कहा जाता है) के साथ-साथ जाइरोकॉप्टर और ड्रोन का इस्तेमाल तेजी से कर रही है। इनसे कम ऊंचाई पर बिना किसी सटीक दिशा-निर्देशन वाले विस्फोटकों के जरिये हवाई हमले किए जाते हैं।

बिना आवाज कैसे पहुंचते हैं पैरामोटर : रिपोर्ट में कहा गया है कि ऊपरी सागाइंग क्षेत्र में हाल की कई घटनाओं में पैरामोटर चला रहे पायलट कथित तौर पर अपने ठिकानों के पास पहुंचने पर इंजन बंद कर देते थे। इसके बाद वे बिना आवाज के हवा में ग्लाइड करते हुए आगे बढ़ते थे। इससे आम लोगों को भागने या सुरक्षित जगह पर पहुंचने के लिए बहुत कम या बिल्कुल भी चेतावनी नहीं मिलती थी। आईआईएमएम की रिपोर्ट ऐसे समय आई है, जब रखाइन में सेना के खिलाफ लड़ रहे एक बड़े जातीय सशस्त्र समूह अराकान आर्मी ने कहा कि 1 से 11 अगस्त के बीच तीन टाउनशिप में हुए हवाई हमलों में करीब 20 आम लोग मारे गए और 22 घायल हुए। समूह के मुताबिक, इनमें एक हमला ऐसा भी था, जिसमें आठ विमानों ने करीब एक घंटे तक बमबारी की। सेना समर्थित सरकार ने इन कथित हमलों पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। असिस्टेंस एसोसिएशन फॉर पॉलिटिकल प्रिजनर्स के अनुसार, 2021 से म्यांमार के सुरक्षा बलों ने 8,000 से ज्यादा आम लोगों की हत्या की है और 31 हजार से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है। यह एक स्वतंत्र संगठन है, जो देश में जारी गृहयुद्ध के दौरान हुई गिरफ्तारियों और मौतों का विस्तृत रिकॉर्ड रखता है। आईआईएमएम की स्थापना 2018 में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने म्यांमार में अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघनों पर नजर रखने के लिए की थी। संस्था ने कहा कि उसने 1,600 से ज्यादा स्रोतों और गवाहों से सबूत जुटाए हैं।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com